कोटद्वार, रविवार
3 अगस्त 2025
वर्षः 47
अंकः 94 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

देवप्रयाग बस अड्डे पर फिर भूधंसाव, मचा हड़कंप

नई टिहरी : ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण के चलते देवप्रयाग बस अड्डे के पास भूधंसाव की समस्या एक बार फिर सामने आने से इलाके में हड़कंप मच गया है। शुक्रवार रात हुए भूधंसाव में कुछ आवासीय पुश्ते और टीनशेड क्षतिग्रस्त हो गए। इससे राजमार्ग से गुजरने वाले वाहनों और आसपास के रहवासियों के लिए भारी खतरा उत्पन्न हो गया है। प्रभावित संजय कुमार और विजय भट्ट ने डीएम टिहरी को ज्ञापन भेजकर मामले में त्वरित कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने बताया कि 2020 में हाईवे कटिंग के बाद से ही भूधंसाव की शुरुआत हुई थी, जिसकी शिकायतें लगातार प्रशासन से की गईं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि 2021 में 29 लाख रुपये का मुआवजा तय किया गया था, लेकिन आज तक उसका भुगतान नहीं हुआ। दोनों प्रभावित परिवारों ने निजी संसाधनों और रिश्तेदारों की मदद से संघर्ष पूर्वक बचाव कार्य किया, लेकिन लगातार बारिश के चलते हालात और बिगड़ गए हैं। किराये पर आधारित आय स्रोत बंद हो चुका है और मकान अब रहने लायक नहीं बचा है। प्रभावितों ने स्थायी भूधंसाव नियंत्रण, पुनर्वास और आर्थिक सहायता की मांग करते हुए लंबित मुआवजा तत्काल जारी करने की अपील की है। (एजेंसी)

परिवहन निगम में नौ अफसरों के तबादले

देहरादून। उत्तराखंड परिवहन निगम ने शनिवार को नौ अधिकारियों के तबादले किए। प्रबंध निदेशक रीना जोशी की ओर से जारी तबादला आदेश में सहायक महाप्रबंधक राम कौशल को नैनीताल मंडलीय कार्यालय से रुद्रपुर डिपो, केएस राणा को रुद्रपुर डिपो से टनकपुर डिपो, राजेंद्र कुमार आर्य को काठगोदाम डिपो से काशीपुर डिपो, नरेंद्र कुमार को बागेश्वर डिपो से ऋषिकेश डिपो, प्रतीक जैन को ऋषिकेश डिपो से ग्रामीण डिपो देहरादून, राजीव गुप्ता को ग्रामीण डिपो से निगम मुख्यालय और देहरादून मंडलीय संचालन प्रबंधक कार्यालय से प्रभारी सहायक महाप्रबंधक वित्त प्रताप सिंह को ग्रामीण डिपो देहरादून भेजा है। सहायक लेखाधिकारी मनोहर सुरियाल को मंडलीय प्रबंधक कार्यालय देहरादून में प्रभारी सहायक महाप्रबंधक वित्त की जिम्मेदारी दी है।

बेकाबू ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मारी, युवक की मौत

हरिद्वार। सिडकुल क्षेत्र में सुबह बाइक से ड्यूटी पर जा रहे एक युवक को तेज रफ्तार बेकाबू ट्रैक्टर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रैक्टर चालक वाहन वहीं छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। परिजन की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। थाना सिडकुल के प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि मृतक की पहचान 20 वर्षीय प्रतीक पुत्र चन्द्रभान सिंह, निवासी ग्राम भवानीपुर नगला बारह, थाना इस्लामनगर, जिला बदायूं (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। प्रतीक सिडकुल क्षेत्र के नवोदय नगर स्थित गली नंबर-3 में किराए पर रहता था। शुक्रवार सुबह वह अपने मित्र के साथ रिव्रा फार्मूलेशन प्राइवेट लिमिटेड, मेट्रो अस्पताल के पास ड्यूटी पर जा रहा था। जैसे ही वह साइनोकैम कंपनी के पास पहुंचा, पीछे से तेज गति से आ रहे बिना नंबर प्लेट के एक ट्रैक्टर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही प्रतीक सड़क पर गिर गया और ट्रैक्टर उसे कुचलता हुआ निकल गया।

एक्सिस बैंक कर्मचारी बनकर 80 हजार की ठगी

रुद्रपुर। खुद को एक बैंक का कर्मचारी बताकर साइबर ठग ने युवक से 80 हजार रुपये ठग लिए। ठग ने न सिर्फ पीड़ित का भरोसा जीता, बल्कि तकनीकी तरीके से उसके फोन का एक्सेस भी ले लिया और फिर खाते से रकम उड़ा दी। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक अनुज कांत निवासी वार्ड नं 37 दरियानगर ने तहरीर में बताया कि उसके मोबाइल पर 14 जुलाई को एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड विभाग का कर्मचारी बताया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी

उत्तराखण्ड के 8 लाख 28 हजार 787 लाभार्थी किसान परिवारों को 184.25 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त के तहत देश के 09 करोड़ 71 लाख से अधिक किसानों के खातों में कुल 20 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का डिजिटल हस्तांतरण किया। इसके तहत उत्तराखण्ड के 08 लाख 28 हजार 787 लाभार्थी किसान परिवारों को 184.25 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गढ़ीकैंट, देहरादून से इस कार्यक्रम में वर्चुअल प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अन्नदाताओं की आय को दोगुना करने तथा उनके जीवन स्तर को उठाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। योजना की 20वीं किस्त जारी किए जाने के साथ ही उत्तराखंड के किसानों को करीब 3300 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के किसानों के कल्याण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। प्रमुख फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि कर किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य प्रदान किया जा रहा है। 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, फसल रोगों और कीटों से होने वाले नुकसान के लिए सुरक्षा कवच भी प्रदान किया जा रहा है। 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' योजना के द्वारा खेतों की मिट्टी की वैज्ञानिक जांच कर किसानों को पोषक तत्वों की कमी और आवश्यक उर्वरकों की जानकारी भी दी जा रही है, जिससे उनकी उपज की गुणवत्ता और भूमि की उर्वरता दोनों में सुधार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश के किसानों के उत्थान एवं समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में किसानों को तीन लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज के उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि उपकरण खरीदने के लिए फार्म मशीनरी बैंक योजना के माध्यम से 80 प्रतिशत तक की सब्सिडी भी प्रदान की जा रही है। किसानों के हित में नहरों से सिंचाई को पूरी तरह मुफ्त किया गया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए पॉलीहाउस के निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान भी किया गया है। गेहूं खरीद पर किसानों को 20 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस प्रदान करने के साथ ही गन्ने के मूल्य में भी 20 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 1200 करोड़ रुपये की लागत से नई सेब नीति, कीवी नीति, 'स्टेट मिलेट मिशन' और 'ड्रैगन फ्रूट नीति' जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू किया गया है। इन नीतियों के तहत बागवानी को प्रोत्साहन देने के लिए किसानों को 80 प्रतिशत तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में उत्तराखण्ड को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। उत्तराखण्ड राज्य के युवाओं को रोजगार देने में भी प्रदेश अग्रणी बनकर उभरा है। एक वर्ष में बेरोजगारी दर में 4.4 प्रतिशत की कमी लाई गई।

केदारनाथ धाम की यात्रा चौथे दिन शुरू

रुद्रप्रयाग : बीते तीन दिनों से केदारनाथ हाईवे सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच बाधित होने से बंद केदारनाथ यात्रा चौथे दिन शुरू हो गई। सोनप्रयाग में जहां सड़क बंद थी वहां मलबा हटाकर पैदल आवाजाही के लिए रास्ता तैयार किया गया, जिसके बाद पुलिस सुरक्षा के बीच 2500 यात्री सोनप्रयाग से केदारनाथ के लिए रवाना हुए। शनिवार को सोनप्रयाग में पहुंचे यात्रियों को तब राहत मिली जब उन्हें केदारनाथ जाने के लिए पुलिस द्वारा अनुमति दी गई। करीब 2500 यात्री केदारनाथ जाने के लिए सोनप्रयाग और आसपास के इलाकों में रुके थे। जैसे ही सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच रास्ता पैदल आवाजाही के लिए तैयार किया गया, वैसे ही पुलिस ने यात्रियों को रवाना किया। बम-बम भोले के जयघोषों के साथ सभी यात्रियों ने सोनप्रयाग से गौरीकुंड को प्रस्थान किया। सोनप्रयाग और गौरीकुंड की तरफ से पुलिस की मौजूदगी में यात्रियों को रास्ता पार कराया गया। सोनप्रयाग की तरफ से कोतवाली निरीक्षक राकेंद्र कठैत और गौरीकुंड की तरफ से चौकी इंचार्ज गौरीकुंड सूरज कंडारी की मौजूदगी में यात्रियों को रास्ता पार कराया गया। वहीं तीन दिन से सूना पड़ा केदारनाथ पैदल मार्ग में फिर से रौनक लौट आई। हालांकि सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच अभी भी जोखिम बना हुआ है। बारिश होने पर मार्ग के बंद होने का निरंतर खतरा बना है। सोनप्रयाग कोतवाली निरीक्षक राकेंद्र कठैत ने बताया कि शनिवार को 2500 यात्रियों को केदारनाथ के लिए रवाना किया गया। (एजेंसी)

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को समन जारी

28 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश

नई दिल्ली,दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले में वाड्रा को समन जारी किया है. स्पेशल जज सुशांत चंगोट्रा ने वाड्रा को 28 अगस्त को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है. कोर्ट ने वाड्रा को समन जारी करने के मामले में 24 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था.

बता दें कि 17 जुलाई को ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ हरियाणा के शिकोहपुर भूमि से जुड़े मनी लाउंड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल किया था. इसमें वाड्रा और 10 अन्य लोगों के नाम हैं. उनकी कंपनी, मेसर्स स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भी शामिल है. ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनी की 37.64 करोड़ की 43 संपत्तियों को मनी लाउंड्रिंग के मामले में जब्त किया है. इस मामले की शुरुआत 2008 में हुई थी. गुरुग्राम के शिकोहपुर में जमीन का सौदा हुआ था. स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने साढ़े तीन एकड़ जमीन मात्र साढ़े सात करोड़ रुपये में खरीदी थी. वाड्रा इस कंपनी में डायरेक्टर थे. यह जमीन ओंकारेश्वर प्रोपर्टीज से खरीदी गई थी. इस जमीन का मालिकाना हक सिर्फ 24 घंटे में ही वाड्रा की कंपनी के नाम पर हो गया.कोर्ट के सामने ईडी ने तर्क दिया कि लाइसेंस की फाइलों को जल्दबाजी में निपटायाा गया और वित्तीय क्षमता की जांच नहीं की गई. लाइसेंस अनुचित प्रभाव और पूर्व-आवश्यकताओं को दरकिनार करके प्राप्त किया गया. ईडी ने वाणिज्यिक लाइसेंस जारी करने के लिए ज़िम्मेदार सरकारी अधिकारियों के बयान भी पेश किए.कंपनी ने चार स्तर पर पैसे लिए.

स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने 2012 में वही जमीन डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेच दी. इससे कंपनी को बहुत ज्यादा मुनाफा हुआ. इस मामले में 2018 में एक एफआईआर दर्ज की गई थी. ईडी ने कोर्ट में कहा कि जांच में पता चला है कि वाड्रा की कंपनी को 42.62 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है, जो दिल्ली में स्तरीकृत थे, जिसके कारण इस न्यायालय का अधिकार क्षेत्र समाप्त हो गया.

गंगा में 31 लोगों से भरी नाव पलटी, चार युवक डूबे, एक का शव बरामद, कई लापता

साहिबगंज , झारखंड के साहिबगंज जिले में शनिवार सुबह 31 लोगों से भरी नाव गंगा नदी में पलट गई। इस हादसे में चार युवक नदी में डूब गए, जिनमें से एक का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि तीन युवक अब भी लापता हैं।

यह घटना गंगा नदी थाना क्षेत्र के गदाई दियारा इलाके में सुबह करीब साढ़े सात बजे घटी, जब लोग नाव के सहारे गंगा पार कर रहे थे। बताया जा रहा है कि नाव पर सवार कुल 31 लोगों में से 28 किसी तरह तैरकर बाहर निकल आए, जबकि चार युवक गहरे पानी में डूब गए। स्थानीय युवकों ने नदी में डुबकी लगाकर काहा हांसदा नामक युवक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। उसके साथ गए कृष्णा, जमाई और एक अन्य युवक का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। ये चारों युवक आदिवासी समुदाय से हैं और बड़हरवा प्रखंड के बिंदुवासनी मंदिर के पास स्थित एक गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।

एक हफ्ते पहले ही अमरनाथ यात्रा पर लगा ब्रेक, प्रशासन का बड़ा ऐलान

अब नहीं होंगे दर्शन

श्रीनगर ,बाबा बर्फानी के दर्शन की आस में बैठे लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पवित्र अमरनाथ यात्रा को समय से पहले ही समाप्त करने का ऐलान कर दिया है। यह यात्रा 9 अगस्त, रक्षाबंधन के दिन तक चलनी थी, लेकिन खराब मौसम और क्षतिग्रस्त रास्तों के कारण इसे 3 अगस्त से ही रोकने का फैसला लिया गया है।कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए बताया कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण यात्रा के दोनों प्रमुख मार्गों, बालटाल और पहलगाम, को भारी नुकसान पहुँचा है। इन रास्तों की मरम्मत का काम तत्काल शुरू किया जाना है, जिसमें भारी मशीनरी और कर्मियों को लगाया जाएगा।उन्होंने स्पष्ट किया, रास्तों पर मरम्मत का काम चलने के कारण यात्रियों की आवाजाही संभव नहीं है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए यात्रा को यहीं रोकना पड़ रहा है। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी। यात्रा रोके जाने तक, इस वर्ष 4.10 लाख श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में कम है। साल 2024 में 5.10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने यात्रा की थी। पिछले कुछ वर्षों में अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। साल 2023 में यह यात्रा 62 दिनों तक चली, जिसमें 4.5 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। इससे पहले, 2022 में कोविड महामारी के बाद 43 दिनों की यात्रा आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 3 लाख तीर्थयात्री शामिल हुए थे। हालाँकि, कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण 2020 और 2021 में यात्रा को स्थगित रखना पड़ा था। अब तक के इतिहास में सबसे अधिक श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड 2012 में बना था, जब रिकॉर्ड तोड़ 6.35 लाख तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे, जो आज भी एक कीर्तिमान है।

प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी पहुंचे, 2,200 करोड़ की परियोजनाएं शुरू की

वाराणसी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर हैं। यह उनका वाराणसी का 51वां दौरा है। वहां उन्होंने करीब 2,200 करोड़ रुपये की लागत वाली 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त की राशि भी भेजी। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। भारी बारिश के बीच करीब 50,000 लोग सभास्थल पहुंचे। प्रधानमंत्री ने अपना संबोधन भोजपुरी से शुरू किया। आगे उन्होंने कहा, मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार काशी आया हूं। जब 22 अप्रैल को पहलगाम हमला हुआ था, 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या की गई, उनके परिवार की पीड़ा, उन बेटियों की वेदना से मेरा हृदय तकलीफ से भर गया। मैंने अपनी बेटियों के सिंदूर का बदला लेने के लिए जो वचन दिया था, वो भी पूरा हुआ। ये महादेव के आशीर्वाद से ही पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हमारे देश के कुछ लोगों को भी पेट में दर्द हो रहा है। ये कांग्रेस पार्टी और उनके चेले-चपाटे इस बात को पचा नहीं पा रहे कि भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। पाकिस्तान के कई सारे एयरबेस आईसीयू में हैं। पाकिस्तान दुखी है। ये तो सब कोई समझ सकता है, लेकिन पाकिस्तान का ये दुख समाजवादी पार्टी और कांग्रेस से सहन नहीं हो रहा। प्रधानमंत्री ने 565.35 करोड़ रुपये की 14 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इनमें 269.10 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी-भदोही मार्ग का चौड़ीकरण, 127.97 करोड़ रुपये की लागत से 47 ग्रामीण पेयजल योजनाएं, 73.30 करोड़ की लागत वाली पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र और होमी भाभा कैंसर अस्पताल में रेडिएशन मशीनें, रोबोटिक सर्जरी यूनिट और सीटी स्कैन मशीन की स्थापना शामिल हैं। इसके अलावा 36वीं वाहिनी में बहुउद्देशीय हॉल और 8 घाटों का पुनर्विकास समेत कई परियोजनाएं शामिल हैं।

रेप केस में पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के पोते को उम्रकैद, 10 लाख का जुर्माना भी लगा

बेंगलुरु , देश को झकझोर देने वाले हासन यौन शोषण कांड में पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते और पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु की विशेष अदालत ने बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह ऐतिहासिक फैसला निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत ने सुनाया है। अदालत ने रेवन्ना को भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(च) (प्रभुत्व की स्थिति में रखकर बलात्कार) और 376(2)(ह) (एक ही महिला से बार-बार बलात्कार) के तहत दोषी पाते हुए यह कठोर सजा दी। उम्रकैद के साथ ही दोषी पर 10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने पीड़िता को 7 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। यह सजा आज से ही प्रभावी हो गई है।जब अदालत ने सजा पर कुछ कहने के लिए कहा, तो प्रज्वल रेवन्ना ने भावुक होकर अपना पक्ष रखा। उसने कहा, मैंने एक सांसद के तौर पर अच्छा काम किया है। छह महीने से अपने माता-पिता को नही देखा है। मैं एक मेधावी छात्र हूँ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हूं। मैं राजनीति में बहुत जल्दी आ गया और अच्छा काम करने लगा इसीलिए मुझे फंसाया गया।

सड़क दुर्घटना में चाचा भतीजी की मौत, चाची गंभीर घायल

काशीपुर। बीते शुक्रवार की देर रात करीब 11:45 बजे नैनीताल रोड पर एक तेज रफ्तार कार ने ओवरटेक करने के दौरान एक कैंटर और सड़क किनारे खड़ी बाइक सवार लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में चाचा और भतीजी की मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और क्षतिग्रत तीनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। कार सवार युवकों को भी हिरासत में लिया है। ग्राम हरसान की नई आबादी निवासी 35 वर्षीय उमेद सिंह अपनी पत्नी 30 वर्षीय ममता और 23 वर्षीय भतीजी उमा के साथ नैनीताल रोड स्थित एक ढाबे से काम करने के बाद शुक्रवार देर रात बाइक से घर जा रहे रहा था। भट्टपुरी मोड पर बाइक सवार उमेद ने सड़क किनारे बाइक को रोक लिया। वहीं पीछे से उत्तर प्रदेश के रामपुर से तेज रफ्तार से आ रही कार ने एक वाहन को ओवरटेक किया और सामने से आ रहे कैंटर को टक्कर मार दी, जिसके बाद कार का संतुलन बिगड़ गया और सड़क किनारे खड़े बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। जिसमें तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए बाजपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, यहां चिकित्सकों ने उमेद सिंह और उमा को मृत घोषित कर दिया। जबकि ममता का प्राथमिक उपचार कर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने तीनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया है और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्री का सामान गिरने से मची थी भगदड़: अश्विनी वैष्णव

नईदिल्ली,नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गत 15 फरवरी को मची भगदड़ का वास्तविक कारण सामने आ गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में कहा कि स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ के बीच एक यात्री का सिर पर रखा सामान गिरने से भगदड़ मच गई थी। मामले की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। बता दें की इस भगदड़ में 11 महिलाओं समेत कुल 18 लोगों की मौत हो गई थी। उच्च-स्तरीय जांच समिति ने पाया कि हादसे का कारण यात्री के सिर पर लदा सामान गिरना था। भगदड़ में 4 बच्चों और 11 महिलाओं समेत अन्य पीड़ितों की दम घुटने से मौत हुई। घटना रात 8:48 बजे फुटओवर ब्रिज 3 पर हुई। रात सवा 8 बजे के बाद यात्रियों की संख्या बढ़ने और कई यात्रियों के सिर पर भारी सामान लेकर चलने से फुटब्रिज पर आवाजाही बाधित हो गई। इस दौरान एक यात्री का सामान गिरने से भगदड़ मच गई। मंत्री वैष्णव ने बताया कि इस त्रासदी के मद्देनजर भारतीय रेलवे अधिक भीड़ वाले 73 स्टेशनों पर व्यापक भीड़ प्रबंधन उपाय लागू करेगा। नई दिल्ली, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और गाजियाबाद में पायलट प्रोजेक्ट पहले से ही चल रहे हैं। रेलवे मौजूदा संकरी संरचनाओं की जगह नए फुटओवर ब्रिज डिजाइन (12 मीटर ऊंचे और 6 मीटर चौड़े) लाएगा। रैंप वाले ये चौड़े पुल हाल ही में हुए महाकुंभ के दौरान कारगर रहे थे। सभी भारी यातायात वाले स्टेशनों पर सीसीटीवी नेटवर्क और समन्वित भीड़ प्रबंधन के लिए वॉर रूम सहित उन्नत निगरानी प्रणालियां स्थापित की जाएंगी। व्यस्त समय के दौरान समन्वय में सुधार के लिए वॉकी-टॉकी और सार्वजनिक घोषणा प्रणाली जैसे डिजिटल संचार उपकरण भी लगाए जाएंगे।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए, कहा-मर चुकी है भारत की चुनाव प्रणाली

नईदिल्ली, कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को एक बार फिर से चुनाव आयोग पर हमला बोला है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार और देश में चुनावी प्रक्रिया पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव 2024 में जमकर धांधली हुई थी और वह आने वाले दिनों में इसे साबित भी कर देंगे।

राहुल ने यह बात दिल्ली में आयोजित वार्षिक कानूनी सम्मेलन 2025 में कही है। राहुल ने कहा, मैं चुनाव प्रणाली पर बात कर रहा हूं। मुझे 2014 से ही शक था कि इसमें कुछ गड़बड़ है। गुजरात विधानसभा चुनाव में भी मुझे ऐसा ही शक हुआ था। उन्होंने कहा, जब भी हमने इस बारे में बात की, लोगों ने पूछा कि सबूत कहां है? फिर महाराष्ट्र में कुछ हुआ। वहां लोकसभा में हम चुनाव जीते और सिर्फ 4 महीने बाद हम विधानसभा में बुरी तरह हार गए। तीन मजबूत पार्टियां अचानक खत्म हो गईं। राहुल ने कहा, हमने चुनाव में गड़बड़ी को गंभीरता से खोजना शुरू किया। महाराष्ट्र में हमें सबूत मिले।

होटल में चल रहा था अवैध देह व्यापार, 13 युवक और युवतियां गिरफ्तार

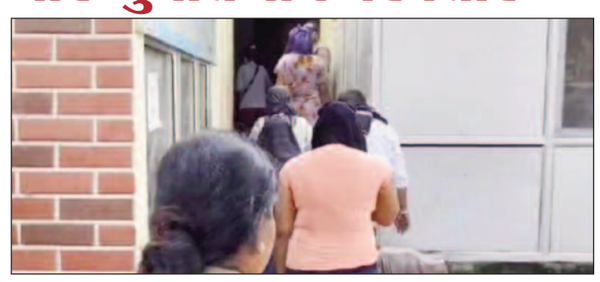

हरिद्वार। हरिद्वार के एक होटल में चल रहे अवैध देह व्यापार के धंधे का भंडाफोड़ हुआ है। हरिद्वार पुलिस ने होटल से संदिग्ध अवस्था में 13 युवक और लड़कियों को गिरफ्तार किया। बताया जाता है कि कोतवाली सिविल लाइंस पुलिस और तस्करी विरोधी बल (एएचटीयू) की संयुक्त टीम की ओर से इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि टीम की कार्रवाई में होटल से 8 युवतियों और 5 पुरुषों को हिरासत में लिया गया। होटल के मैनेजर को भी हिरासत में लिया गया। बाद में इन सभी को थाने लाया गया। इनसे पूछताछ की गई उसके बाद इनको गिरफ्तार करने की कार्रवाई की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि उसे इस होटल में देह व्यापार किए जाने की सूचनाएं मिल रही थी। इसके बाद पूरे रैकेट का भंडाफोड़ करने के लिए एक टीम का गठन किया गया। शनिवार को सिविल लाइन थाना पुलिस और तस्करी विरोधी बल ने गोपनीय सूचना पर होटल में छापेमारी की। इस दौरान होटल के विभिन्न कमरों की छानबीन की गई। इसमें पुलिस टीम को संदिग्धावस्था में 8 युवतियां और 5 युवक मिले। इन सभी को पहले हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई फिर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला कि उक्त होटल में अनैतिक धंधा चल रहा था।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच एफटीए

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) आगामी एक अक्टूबर से लागू होगा। आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विटजरलैंड ईएफटीए के सदस्य देश हैं। इस समूह का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विटजरलैंड है। बाकी के तीन देशों के साथ भारत का व्यापार बनिस्बत कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कारोबारी मामलों में मानसिक अस्थिरता और हर छोटे–बड़े देश पर टैरिफ थोपने की आतुरता के चलते ईएफटीए के तहत मिलने वाली बाजार पहुंच निश्चित ही भारत के लिए उत्साहजनक घटनाक्रम है। इस बाजार पेशकश में 100 फीसद गैर–कृषि उत्पाद और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर टैरिफ में रियायत शामिल हैं। समझौते में भारत 82.7 फीसद टैरिफ लाइनों की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए के 95.3 फीसद निर्यात को कवर करती है। दूसरी तरफ, ईएफटीए ने अपनी 92.2 फीसद टैरिफ लाइनों की पेशकश की है। जाहिर है कि इससे दोनों पक्ष लाभान्वित हो सकेंगे। बताया गया है कि समझौता लागू होने से देश में दस लाख से ज्यादा नौकरियां निकलेंगी। साथ ही, घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट आदि कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगे। समझौते से भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आने तथा कई क्षेत्रों में परस्पर आर्थिक सहयोग गहराने की संभावना है। बीते 10 वर्षों में 50 अरब डॉलर का एफडीआई इन देशों से भारत पहुंचा था। उम्मीद है कि एफटीए के कार्यान्वयन से अगले 5 वर्षों में 50 अरब डॉलर का अतिरिक्त विदेशी निवेश इन देशों से भारत पहुंचेगा। दोनों पक्षों के बीच हुआ समझौता नतीजाकुन होने के लिए जरूरी है कि व्यापार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़–ावा मिले। दोनों ओर के कारोबारियों के लिए व्यापार–अनुकूल माहौल बने। इसके लिए डेडिकेटेड भारत–ईएफटीए डेस्क शुरू की जा रही है, जो सरकारों और निजी कंपनियों, दोनों के लिए एकल खिड़की प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगी। विभिन्न देशों के ऐसे छोटे कारोबारी समूहों या ब्लॉकों के बीच होने वाले व्यापार समझौतों से अमेरिका जैसे बड़े देशों की दादागीरी पर यकीनन अंकुश लग सकेगा।

यौन गतिविधियों का पूर्ण अपराधीकरण को चुनौती

न्याय मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सहमति से शारीरिक संबंध बनाने के लिए वैधानिक उम्र 18 वर्ष से घटा कर 16 वर्ष करने की शीर्ष अदालत से सिफारिश की है। चर्चित 'निपुण सक्सेना बनाम भारत संघइ मामले में सुप्रीम कोर्ट की सहायता करने वाली न्यायमित्र इंदिरा जयसिंह ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), 2012 और आईपीसी की धारा 375 के तहत 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोर एवं किशोरियों से जुड़ी यौन गतिविधियों का पूर्ण अपराधीकरण करने को चुनौती देते हुए अपनी लिखित प्रस्तुतियां दी हैं। दलील दी है कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए प्रेम संबंधों को अपराध मानता है, और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। अपनी स्थापना के पक्ष में उन्होंने जोरदार तर्क रखा है कि कानूनी ढांचा किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों को गलत तरीके से दुर्व्यवहार के बराबर मानता है तथा उनकी स्वायत्तता, परिपक्वता और सहमति देने की क्षमता को अनदेखा करता है। सहमति की आयु 16 से बढ़ा कर 18 वर्ष करने को उचित ठहराने के लिए कोई तर्कसंगत कारण या अकाट्य आंकड़ा भी नहीं है। इसके अलावा, यह भी ध्यान दिलाया है कि आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा आयु बढ़ाए जाने से पहले 70 वर्षों से अधिक समय तक आयु सीमा 16 वर्ष (शारीरिक संबंध बनाने के लिए सहमति की) ही रही थी। यह भी ध्यान दिलाया है कि आयु बिना किसी बहस के बढ़ा दी गई और ऐसा करते समय वर्मा समिति की सिफारिश की भी अनदेखी की गई। बेशक, यह सामयिक मुद्दा है, और इसे मौजूदा परिप्रेक्ष्य में ही देखा जाना चाहिए। आजकल किशोर समय से पहले ही यौवन प्राप्त कर लेते हैं, और अपनी पसंद के रोमांटिक और यौन संबंध बनाने में सक्षम होते हैं। फिर, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कषरे के साथ ही वैज्ञानिक एवं सामाजिक आंकड़ों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए जो बताते हैं कि किशोरों में यौन रुझान असामान्य नहीं हैं।

आत्मनिर्भरता को बढ़ाना जरूरी

भारत डोगरा

विश्व अर्थव्यवस्था और व्यापार में कई स्तरों पर बढ़ते अनिश्चय के बीच एक बार फिर नये सिरे से विभिन्न देशों ने आत्मनिर्भरता के महत्त्व को पहचाना है।

आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं है कि कोई देश अपनी सभी जरूरतों को अपने स्थानीय उत्पादन से ही पूरा करे। ऐसी परिभाषा आधुनिक समय में तो क्या बहुत पहले भी संभव नहीं थी। आत्मनिर्भरता का अर्थ यह है कि यथासंभव अपनी अधिक महत्त्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए देश स्थानीय उत्पादन और तकनीकी क्षमता का विकास करें तथा अन्य जरूरतों की आपूर्ति के लिए अपेक्षाकृत अधिक विसनीय स्रेत सुनिश्चित करें। कोई देश आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ता है और इसे अधिक महत्त्व देता है तो भी उसके लिए विदेशी व्यापार का महत्त्व भी अनेक संदभरे में बना रहेगा।

भूमंडलीकरण के दौर में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के उद्देश्य को कम महत्त्व दिया गया। यह कहा गया कि नये बदलावों के दौर में इसकी प्रासंगिकता नहीं रह गई है। यह सोच अनेक वर्षों तक हावी रही पर अब हाल की विश्व स्तर की उथल–पुथल के बीच यह मान्यता फिर बन रही है कि जो देश आत्मनिर्भरता को अधिक महत्त्व देते हैं, वे ही अपने लोगों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने में अधिक सक्षम हैं और उनकी अर्थव्यवस्था अधिक सुरक्षित और मजबूत है।

आजादी के बाद हमारे देश में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को समुचित महत्त्व दिया गया। इसके लिए अनेक पूंजी और भारी उद्योगों की स्थापना की गई और जहां भी जरूरत हो इसके लिए सार्वजनिक क्षेत्र में उपक्रमों की स्थापना की गई। विज्ञान एवं तकनीकी के विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के संस्थान स्थापित किए गए जिनमें अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण संस्थान भी थे। दवा उद्योग जैसे महत्त्वपूर्ण उद्योगों के विकास पर समुचित ध्यान किया गया। पंचवर्षीय योजनाएं बनाई गई ताकि ऐसे विभिन्न महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए अधिक योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जाए और विभिन्न महत्त्वपूर्ण लक्ष्यों के बीच में आपसी तालमेल बनाया जा सके।

एक बड़ी चुनौती खाद्यान्न और कृषि क्षेत्र में थी। यहां भारत ने कुछ उपलब्धियां प्राप्त कीं तो कुछ बड़ी गलतियां भी कीं। इसका परिणाम यह हुआ कि चाहे मुख्य अनाजों गेहूं तथा चावल में भारत आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सका पर इसके लिए रासायनिक खाद, कीटनाशक और अन्य दवाओं तथा इनसे जुड़ी ऐसी महंगी तकनीकों पर निर्भर हो गया जो मिट्टी तथा पानी के बुनियादी संसाधन आधार को भी क्षतिग्रस्त करती थीं और किसानों का खर्च भी तेजी से बढ़ाती थीं। इनता ही नहीं, दालों, खाद्य तेलों आदि के आयात पर भारत की निर्भरता बढ़ने लगी।

हाल के समय में जीएम फसलों और इनसे जुड़ी ऐसी तकनीकों के प्रसार के लिए भी निहित स्वाथरे ने बहुत जोर लगाया है जिनसे हमारा देश विश्व की कुछ बड़ी शोषक बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर अधिक आश्रित हो जाएगा।

दूसरी ओर, अच्छी खबर यह है कि विभिन्न देशों में बहुत से किसान ऐसे सफल प्रयास कर रहे हैं जिनसे रासायनिक खाद, कीटनाशक दवाओं आदि पर निर्भरता कम होती है और परंपरागत, देशीय बीजों की रक्षा करने और उन्हें एकत्र करने की अधिक महत्त्व दिया जाता है। ये प्रयास पर्यावरण की रक्षा के भी अनुकूल हैं।

आज विश्व में जिस तरह की उथल–पुथल और मनमानी के निर्णय अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में देखे जा रहे हैं, उनसे तो यह और भी स्पष्ट हो गया है कि आत्मनिर्भरता की नीतियां ही भारत जैसे महत्त्वपूर्ण विकासशील देशों के लिए सबसे उचित हैं। इसके साथ टिकाऊ विकास, पर्यावरण रक्षा के अनुकूल

विकास और समावेशी विकास को अधिक महत्त्व देना चाहिए जिससे सबसे कमजोर वगरे की जरूरतें पूरी करने पर अधिक ध्यान किया जा सके।

आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए विकास को योजनाबद्ध करना भी जरूरी है। इस दृष्टि से देखें तो जिस तरह भारत में योजना आयोग और पंचवर्षीय योजनाओं को जल्दबाजी में समाप्त कर दिया गया, वह उचित नहीं है। इस बारे में हमें नये सिरे से विचार करना चाहिए कि विकास की राह को योजनाबद्ध कैसे किया जाए। इससे विभिन्न उद्देश्यों में तालमेल बेहतर ढंग से हो सकता है, और आत्मनिर्भरता के विभिन्न उद्देश्य बेहतर ढंग से प्राप्त हो सकते हैं।

अर्थव्यवस्था और आर्थिक सुधार किस राह पर आने चाहिए, इस संबंधी विमर्श बहुत हद तक धनी–पश्चिमी देशों और वहां के जाने–माने संस्थानों और अर्थशास्त्रियों से प्रभावित होता रहा है पर इसके परिणाम अधिक सुखद नहीं रहे हैं। समय आ गया है कि भारत जैसे प्रमुख विकासशील देश विकास और अर्थनीति संबंधी अपनी स्वतंत्र राह को अधिक महत्त्व दें। इस तरह हम विश्व स्तर पर भी ऐसी मौलिक सोच दे सकेंगे जो विशेषकर विकासशील देशों के लिए बहुत लाभदायक होगी। इस संदर्भ में महात्मा गांधी के विचारों पर नये सिरे से आज के संदर्भ में ध्यान देना जरूरी है। कुछ महत्तपूर्ण संदभरे में उनकी सोच आज भी बहुत प्रासंगिक है। इस सोच का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि ग्रामीण विकास को अधिक महत्त्व दिया जाए और ग्रामीण विकास में भी आत्मनिर्भरता को अधिक महत्त्व दिया जाए। जहां इस सोच के आधार पर महत्त्वपूर्ण कार्य हुआ है, वहां किसानों का खर्च कम करते हुए भी कृषि उत्पादकता को पहले जितना बनाए रखना संभव हुआ है, और कहीं–कहीं तो इसे बढ़ावा भी दिया जा सका है।

जहां पर किसान महंगे रासायनिक खाद और कीटनाशक छोड़कर स्थानीय संसाधनों गोबर, गोमूत्र, पत्तियों आदि पर आधारित खाद और हानिकारक जंतुओं को दूर रखने की दवाओं को अपना रहे हैं, वहां उनके उत्पादों अनाज, दलहन, तिलहन, सब्जी, फल आदि की गुणवत्ता भी सुधर रही है और स्वास्थ्य लाभ भी हो रहा है। इसी सुधार में अगला कदम यह है कि खाद्यों की प्रोसेसिंग गांव के स्तर पर ही अधिकतम की जाए। यदि तिलहन से तेल गांव स्तर पर प्राप्त किया जाए तो शुद्ध तेल भी मिलता है, और पशुओं के लिए खली भी मिल जाती है। गांव में रोजगार सृजन होता है, और बेहतर आय किसान को मिलती है।

इसी तरह घी और मक्खन जैसे उत्पाद गांव के स्तर पर ही बनें तो छाछ और लस्सी के रूप में पोषण भी मिलता है, और आय भी बढ़ती है। दलहन, धान, गेंहू, मोटे अनाजों, फल, सब्जी सभी की बेहतर प्रोसेसिंग गांव और कस्बे के स्तर पर हो तो ये लाभ और बढ़ सकते हैं।

यह सब महात्मा गांधी की गांवों की आत्मनिर्भरता की सोच के अनुरूप ही है पर साथ में यह सोच इससे भी आगे जाती है। खादी की सोच हमें बताती है कि बड़ी मशीनों और नई तकनीकों के आगमन का अर्थ यह नहीं है कि अब हर जगह इन्हें ही छा जाना है। हमें अपनी स्थिति के अनुसार, रोजगार की संभावना को बढ़ाने को भी ध्यान में रखना है, परंपरागत हुनर और कौशल की रक्षा को भी ध्यान में रखना है, और साथ में आज की वास्तविकता और व्यवहारिकता को भी ध्यान में रखना है तथा इन सभी को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने हैं। इन सभी को ध्यान में रखेंगे तो हैंडलूम और खादी जैसे क्षेत्रों के साथ सौर ऊर्जा जैसे नये क्षेत्रों में भी हम महत्त्वपूर्ण मौलिक योगदान विश्व स्तर पर दे सकते हैं। विश्व में आर्थिक बहस पश्चिमी और प्रचलित अवधारणाओं पर चल रही है, पर हम अपनी मौलिक सोच अपनी स्थितियों और जरूरतों के अनुरूप आपसी विमर्श और अध्ययन से बनाएं तो यह हमारे लिए भी उपयोगी होगा और इससे अन्य विकासशील देशों को भी बेहतर सोच मिलेगी।

आजादी के बाद हमारे देश में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को समुचित महत्त्व दिया गया। इसके लिए अनेक पूंजी और भारी उद्योगों की स्थापना की गई और जहां भी जरूरत हो इसके लिए सार्वजनिक क्षेत्र में उपक्रमों की स्थापना की गई। विज्ञान एवं तकनीकी के विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के संस्थान स्थापित किए गए जिनमें अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण संस्थान भी थे। दवा उद्योग जैसे महत्त्वपूर्ण उद्योगों के विकास पर समुचित ध्यान किया गया। पंचवर्षीय योजनाएं बनाई गई ताकि ऐसे विभिन्न महत्त्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए अधिक योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जाए और विभिन्न महत्त्वपूर्ण लक्ष्यों के बीच में आपसी तालमेल बनाया जा सके। एक बड़ी चुनौती खाद्यान्न और कृषि क्षेत्र में थी। यहां भारत ने कुछ उपलब्धियां प्राप्त कीं तो कुछ बड़ी गलतियां भी कीं। इसका परिणाम यह हुआ कि चाहे मुख्य अनाजों गेहूं तथा चावल में भारत आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सका पर इसके लिए रासायनिक खाद, कीटनाशक और अन्य दवाओं तथा इनसे जुड़ी ऐसी महंगी तकनीकों पर निर्भर हो गया जो मिट्टी तथा पानी के बुनियादी संसाधन आधार को भी क्षतिग्रस्त करती थीं और किसानों का खर्च भी तेजी से बढ़ाती थीं।

एंटी–एजिंग दवाओं–सेवाओं के कारोबार

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल में मॉडल–अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की कार्डियक अरेस्ट के चलते 42 वर्ष की उम्र में मृत्यु हो गई। उनके कार्डियक अरेस्ट आने की वजह एंटी–एजिंग दवाओं का सेवन भी बताई जा रही है।

शेफाली सात–आठ सालों से ये दवाएं ले रही थीं। जिस दिन उनकी मौत हुई उस दिन उनका व्रत था। वह खाली पेट भी इन दवाओं को ले रही थीं। असल में पिछले कुछ सालों में लोगों में उम्र को छिपाने और जवान दिखने का चलन तेजी से बढ़ा है। इसके लिए वे जम कर पैसा बहा रहे हैं।

अगर एंटी–एजिंग दवाओं–सेवाओं के कारोबार की बात की जाए तो यह देश में तेजी से बढ़ रहा है। इसमें कॉस्मेटिक यानी सर्जरी एवं फिलर्स ट्रीटमेंट और दवाइयां, दोनों शामिल हैं। यह बाजार त्वचा की देखभाल, झुर्रियां हटाने और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने वाली दवाओं और उत्पादों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। एक अनुमान के मुताबिक, 2023 में देश में एंटी–एजिंग दवाओं–सेवाओं का कारोबार करीब 3,500 करोड़ रु पये का था। 2024 में इसका आकार 4,000 करोड़ रु पये से ज्यादा हो गया। 2035 तक इसके 8,000 करोड़ रु पये से ज्यादा होने की उम्मीद है। यह कारोबार 7–8 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है।

कुछ कंपनियों का दावा है कि यह कारोबार दस साल बाद दस हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा का होगा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि एंटी–एजिंग दवाओं–सेवाओं का कारोबार कितनी तेजी से पैर पसार रहा है। एक्सपर्ट बताते हैं कि लोगों में जवां दिखने की चाहत तेजी से बढ़ रही है। इनमें 30–50 साल तक की उम्र वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक है। देश में एंटी–एजिंग उपचार के लिए कई तरह की दवाएं, इंजेक्शन तथा सर्जरी बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। इस बिजनेस में दखल रखने वाली कई कंपनियों ने अलग–अलग शहरों में अपने क्लिनिक खोल लिए हैं। मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं कि एंटी–एजिंग दवाओं–सेवाओं के मौजूदा कारोबार में अंग्रेजी, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयां, स्किन संबंधी कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट्स, बोटोक्स सर्जरी तथा फिलर्स ट्रीटमेंट के बिजनेस शामिल हैं। एंटी–एजिंग उपचार वह प्रक्रिया है, जिसमें आपको बढ़ती उम्र में भी जवान दिखाया जाता है। यह त्वचा पर झुर्रियां बढ़ने से रोकने का उपचार है। इसके तहत कॉस्मेटिक, दवाइयां, सर्जरी, इंजेक्शन और कोलेजन सप्लीमेंट्स आते हैं। एंटी–एजिंग उपचार अंग्रेजी के साथ आयुर्वेदिक तरीके से भी करने का दावा किया जाता है। अंग्रेजी कंपनियों के साथ कुछ आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक कंपनियों ने भी दवाएं, ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और कोलेजन सप्लीमेंट्स बनाने शुरू कर दिए हैं।

कहने का अभिप्राय यह है कि आयुर्वेदिक–होम्योपैथिक कंपनियों की भी अंग्रेजी दवा कंपनियों की तरह इस बाजार पर पूरी नजर है। हालिया कई सर्वे और रिपोर्ट्स बताती हैं कि दुनिया की तरह भारत में भी एक बड़ी आबादी सोशल मीडिया पर विज्ञापन देख कर प्रॉडक्ट्स का जम कर उपयोग कर रही है। कई सेलेब्रिटी हैं, जो टीवी और सोशल मीडिया पर इस तरह की दवाओं का प्रचार कर रहे हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि एंटी–एजिंग की कुछ दवाओं में हामीन, स्टेरॉयड या अन्य केमिकल्स होते हैं, जो शरीर के नेचुरल सिस्टम से छेड़छाड़ करते हैं। इससे हार्ट और लिवर को नुकसान पहुंच सकता है। हामीन बैलेंस भी बिगड़ सकता है। इन दवाओं का लगातार सेवन करना ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल या हार्ट से जुड़ी बीमारियों का कारण भी बन सकता है। कई लोगों की स्किन बहुत ज्यादा संवेदनशील होती है, कुछ को एलर्जी की समस्या भी होती है। डॉक्टरों का कहना है कि हर किसी को किसी भी नए प्रॉडक्ट का उपयोग करने से पहले एक बार डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह ले लेनी चाहिए। कोई भी दवा या सप्लीमेंट डॉक्टर की देखरेख में इस्तेमाल करने से ही उसके सुरक्षित बने रहने के चांस ज्यादा होते हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि बिना दवा के भी बढ़ती उम्र में जवान दिखा जा सकता है। इसके लिए फल एवं हरी सब्जियों का सेवन करें। वे एवाकाडो, ब्ल्यूबेरी, हल्दी, नट्स और सीड्स तथा हरी पत्तेदार सब्जियां खाने की सलाह देते हैं।

पुष्पा वाले राशि खन्ना पर लगाएंगे दांव, उस्ताद भगत सिंह में दिखेंगी पवन कल्याण के साथ

साउथ के सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्मों का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं। पिछले काफी समय से फिल्म उस्ताद भगत सिंह को लेकर सुर्खियों में हैं। आए दिन उनकी इस फिल्म से जुड़ी अलग–अलग जानकारियां सामने आ रही हैं। अब खबर है कि इस फिल्म में साउथ की एक और अदाकारा राशि खन्ना की एंट्री हो गई है। वह फिल्म में पवन के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी।

उस्ताद भगत सिंह की शूटिंग जोर–शोर से चल रही है। निर्माता इस महीने के आखिर तक पवन के हिस्से की शूटिंग पूरी करना चाहते हैं। उधर किसिक वाली श्रीलीला इस एक्शन ड्रामा फिल्म की नायिका हैं। स्क्रिप्ट में एक और हीरोइन की जगह है। रिपोर्ट्स मुताबिक, राशि खन्ना का नाम इसके लिए लगभग तय है। राशि पहले साईं धर्म तेज और वरुण तेज के साथ सफल फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इस फिल्म का निर्माण पुष्पा वाले मैत्री मूवी मेकर्स कर रहे हैं। फिल्म के संगीत का जिम्मा भी पुष्पा और पुष्पा 2 के संगीतकार देवी श्री प्रसाद पर है। फिल्म उस्ताद भगत सिंह में आशुतोष राणा, गौतमी और नागा महेश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होने वाली है, जिसका निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं। उस्ताद भगत सिंह में पवन एक निडर और विद्रोही पुलिस अधिकारी की भूमिका में अपनी धाक जमाते दिखेंगे। राशि साउथ और हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं, वहीं ओटीटी पर भी सक्रिय हैं। फिल्म मद्रास कैफे से राशि ने बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आईं। इस फिल्म में अपनी सादगी और गंभीरता से उन्होंने अपनी जगह पक्की करने की कोशिश की।

मोहम्मद सिराज ने बुमराह का रिकॉर्ड किया ध्वस्त, वकार यूनुस के क्लब में हुए शामिल

लंदन, लंदन के ओवल में खेले जा रहे सीरीज के अंतिम टेस्ट मैच में भारतीय तेज गेंदबाजों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया. जिसकी वजह से इंग्लैंड भारत पर केवल 23 रनों की ही बढ़त बना सका. इसका श्रेय भारत के दो तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (4) और प्रसिद्ध कृष्णा (4) को जाता है. इन दोनों गेंदबाजों ने इंग्लैंड को 247 रनों पर ऑलआउट कर दिया. भारत अपनी पहली पारी में 224 रन ही बना सका था. दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 75 रन बना लिए है, और उनकी बढ़त अब 52 रनों की हो गई है. जायसवाल 51 रन बनाकर खेल रहे हैं, जबकि आकाशदीप नाइटवाचमैन के रूप में 4 रन बनाकर खेल रहे हैं. ओवल

की पहली पारी में 4 विकेट लेकर मोहम्मद सिराज ने इतिहास रच दिया है. उन्होंने केवल 16.2 ओवर में 88 रन देकर चार विकेट लिए. 31 वर्षीय सिराज ने ओली पोप, जो रूट, जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक के बड़े विकेट लेकर भारत को श्रृंखला 2–2 से बराबर करने की दौड़ में बनाए रखा है. इसके अलावा सिराज ने जसप्रीत बुमराह का सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ दिया और साथ ही पाकिस्तान के तेज गेंदबाज वकार यूनिस की बराबरी भी कर ली है.

बता दें कि सिराज ने इंग्लैंड में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक चार विकेट लेने का जसप्रीत बुमराह का रिकॉर्ड तोड़ दिया. सिराज ने इंग्लैंड की धरती पर 11 मैच में छठी बार चार विकेट लिया है, जबकि बुमराह ने 12 मैचों में 5 बार चार विकेट लिए हैं. इसके अलावा सिराज 1996 के बाद इंग्लैंड में छह बार चार विकेट लेने वाले पहले एशियाई तेज गेंदबाज बन गए हैं. इससे पहले वकार युनुस ने 1996 में इंग्लैंड में 6 बार चार विकेट लिए थे. स्पिनरों में, मुथैया मुरलीधरन इंग्लैंड में 6 बार चार विकेट लेने वाले एकमात्र एशियाई हैं.

द राजा साब की रिलीज एक बार फिर टली, प्रशंसकों को करना होगा और इंतजार

अभिनेता प्रभास पिछले काफी समय से फिल्म द राजा साब को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह हॉरर कॉमेडी फिल्म पहले इस साल 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे 5 दिसंबर, 2025 के लिए टाल दिया गया। अब खबर आ रही है कि द राजा साब के लिए दर्शकों को थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। दरअसल, निर्माताओं ने एक बार फिर फिल्म की रिलीज टाल दी है। रिपोर्ट के अनुसार, द राजा साब को अब अगले साल संक्रांति के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस लिहाज से यह फिल्म 9 जनवरी, 2026 को दर्शकों के बीच आएगी। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अगर निर्माताओं ने द राजा साब की रिलीज को टाला तो बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना रणवीर सिंह की धुरंधर और शाहिद कपूर की रोमियो से नहीं होगा। निर्देशक मारुथि ने द राजा साब के निर्देशन की कमान संभाली है।

धड़क 2 का नया गाना तू मेरी धड़क है हुआ रिलीज

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की बहुप्रतीक्षित फिल्म धड़क 2 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक हैं। खास बात यह है कि यह पहला मौका होगा, जब सिद्धांत और तृप्ति पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। धड़क 2 को 1 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। अब रिलीज से एक दिन पहले निर्माताओं ने धड़क 2 का नया गाना तू मेरी धड़क है जारी कर दिया है।

तू मेरी धड़क है में तृप्ति और सिद्धांत की बेहतरीन केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। दोनों एक–दूजे से इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। इस गाने को विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है।

मुझे उम्मीद नहीं थी... जो रूट के साथ जुबानी जंग पर प्रसिद्ध ने तोड़ी चुपी

लंदन, भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मैच लंदन के ओवल में खेला जा रहा है. दोनों टीम एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रही हैं. हालांकि सीरीज में मेजबान 2–1 से आगे है, लेकिन सीरीज जीतने के लिए उन्हें ये मैच जीतना या कम से कम ड्रॉ करना होगा. पांचवें टेस्ट में अभी तक दोनों टीमें बराबरी पर खड़ी हैं. जहां भारत की पहली पारी 224 रनों पर सिमट गई थी वहीं इंग्लैंड की पहली पारी 247 रनों पर ढेर हो गई थी, जिसकी वजह से उन्हें भारत पर 23 रनों की मामूली बढ़त मिल गई. दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 75 रन बना लिए हैं और उसे इंग्लैंड पर 52 रनों की बढ़त मिल गई है.

दूसरे दिन का खेल न सिर्फ गेंद और बल्ले से खेला गया बल्कि जुबान से भी एक दूसरे को पछाड़ने की कोशिश की गई. कभी विकेट लेने के बाद जश्न मनाते समय बल्लेबाज के कंधे पर हाथ रखा गया तो कभी

बल्लेबाज की स्लेजिंग करके उनका ध्यान भटकाने की कोशिश की गई. ऐसा ही भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध ने इंग्लैंड के महान बल्लेबाज जो रूट के साथ भी किया. लेकिन ये जुबानी लड़ाई इतनी ज्यादा बढ़ गई कि अंपायर को बीच में आना पड़ा. दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने खुलासा किया कि जो रूट के साथ बहस करके उनका ध्यान भटकाना एक सोची–समझी रणनीति का हिस्सा था और ये सिर्फ एक मजाक था, लेकिन उस पर रूट ने जिस तरह से प्रतिक्रिया दिया उसकी मुझे उम्मीद नहीं थी. दरअसल भारत के 224 रनों के जवाब में रूट उस समय क्रीज पर उतरे जब उनकी टीम का स्कोर 2 विकेट पर 129 रन था. प्रसिद्ध ने रूट को पहली ही गेंद उनके दस्ताने पर मारी. उसके बाद रूट प्रसिद्ध की गेंद मिस कर गए जिस पर कृष्णा ने उनसे कुछ कहा. उसके बाद अगली ही गेंद पर रूट ने गली के पार एक चौका लगाया और प्रसिध की पिछली हरकत पर मौखिक प्रतिक्रिया भी दी. उसके बाद माहौल गरम हो गया और ओवर बदलते समय, अंपायर कुमार धर्मसेना ने हस्तक्षेप किया और प्रसिद्धि से लंबी बातचीत की, यहां तक कि कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल भी गेंदबाजों के बचाव में सामने आ गए.

एक नजर

ब्लॉक प्रमुख पद के लिए लगने लगा गणित, निर्दलियों पर नजर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के परिणाम के बाद अब ब्लॉक प्रमुख के लिए गणित लगने लगा है। हर ब्लॉक में दिग्गज निर्दलीय सहित अन्य क्षेत्र पंचायत सदस्यों से संपर्क साध रहे हैं। ऐसे में कुर्सी किसके पास जाती है यह कुछ दिन बाद ही तय हो जाएगा।

जयहरीखाल ब्लॉक में 21 सदस्यीय क्षेत्र पंचायत में भाजपा के अधिक सदस्य जीतकर आए हैं, जिससे कांग्रेस के बजाय यहां भाजपा को बढ़त मिलती हुई दिख रही है। हालांकि दोनों ही पार्टियों ने सदन में बहुमत जुटाने के लिए अभी से निर्दलीय सदस्यों का समर्थन हासिल करने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। भाजपा खेमे से लैंसडौन विधायक के पीआरओ रणवीर सजवाण (गवाणा) प्रमुख पद की दौड़ में आगे बताए जा रहे हैं। वहीं, विनोद जुयाल (टसीला) भी ब्लॉक प्रमुख की दौड़ में शामिल हैं और वह भी समर्थन जुटाने के लिए सक्रिय हो गए हैं। वहीं, कांग्रेसी खेमे से पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र सिंह (बड़गांव), शशि बिष्ट (जयहरी) और विक्रांत (चमेठा) ब्लॉक प्रमुख पद की रेस में बताए जा रहे हैं। राजनीतिक समीकरणों के बदलते माहौल में निर्दलीय सदस्यों को किंगमेकर माना जा रहा है। अगले कुछ दिनों में स्थिति और स्पष्ट हो जाएगी। बहरहाल दोनों ही दलों के पदाधिकारियों व दावेदारों ने ब्लॉक प्रमुख की कुर्सी के लिए संपर्क तेज कर दिए हैं।

पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त जारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शनिवार को जनपद पौड़ी में भी किसानों के पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त जारी की गई। इसको लेकर जिला मुख्यालय सहित विभिन्न न्याय पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। पौड़ी जिले में किसान सम्मान निधि पाने वाले 60 हजार से अधिक किसान है। इसमें किश्त के तौर पर प्रति किसान दो हजार की राशि मिलती है।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम के माध्यम से पीएम किसान सम्मान निधि की किश्त डीबीटी से किसानों का जारी की। पौड़ी विकास भवन में आयोजित कार्यक्रम में विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री किसानों के आर्थिक और सामाजिक उत्थान को लेकर गंभीर हैं। योजना देश के करोड़ों किसानों के लिए आत्मनिर्भरता बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। पौड़ी के मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. वीके यादव ने बताया कि किसानों को केंद्र व प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

ब्लॉक प्रमुख को लेकर रणनीति बनाने में जुटे दावेदार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पंचायत चुनाव में क्षेत्र पंचायत सदस्यों के चुनाव संपन्न होने के बाद अब ब्लाक प्रमुख को लेकर दावेदार रणनीति बनाने में जुट गये है। ब्लाक प्रमुख पौड़ी की सीट इस बार सामान्य है। पौड़ी ब्लाक में क्षेत्र पंचायत सदस्य की 18 सीटे हैं। पौड़ी ब्लाक प्रमुख के पद को लेकर भाजपा व कांग्रेस रणनीति बनाने में जुट गई है। भाजपा से निवर्तमान भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र नौटियाल भी दावेदार के रूप में देखे जा रहे है। शैलेंद्र नौटियाल ने अपना गांव छोड़कर दूसरे गांव भिमली तल्ली से क्षेत्र पंचायत सदस्य का चुनाव जीता है। इससे पूर्व वह भाजपा में ग्रामीण मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके है। भाजपा से अर्चना तोपाल भी ब्लाक प्रमुख की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। अर्चना तोपाल ने गाड का मरगांव सीट से चुनाव जीता है। वहीं, कांग्रेस से यशोदा नेगी की दावेदारी सामने आ रही है। यशोदा नेगी बीते नगर पालिका चुनाव में अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ी थी, लेकिन वह चुनाव हार गई थी। पंचायत चुनाव में उन्होंने उरेगी क्षेत्र पंचायत सीट से दावेदारी कर चुनाव जीत लिया। उनको भी ब्लॉक प्रमुख का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

स्वरोजगार के लिए ऋण व अनुदान का उठाएं लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग में निवासरत अल्पसंख्यक समुदाय के ऐसे परिवार जिनकी समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 2,50,000.00 तक है, उनके बेरोजगार युवक/युवतियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु जिला समाज कल्याण अधिकारी जिला प्रबन्धक, अल्पसंख्यक कल्याण तथा वक्फ विकास निगम, रुद्रप्रयाग के माध्यम से स्वतः रोजगार योजना अंतर्गत 50,000.00 से 10.00 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के तहत कुल लागत का 25 प्रतिशत अनुदान, 15 प्रतिशत लाभार्थी अंशदान तथा शेष 60 प्रतिशत बैंक ऋण के रूप में दिया जाएगा।

शहर की समस्याओं को लेकर नागरिक मंच ने किया प्रदर्शन

लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण सहित अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण सहित अन्य समस्याओं को लेकर नागरिक मंच ने शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी समस्याओं के निराकरण को गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। ऐसे में क्षेत्रीय जनता में रोष बना हुआ है। शनिवार को नागरिक मंच के सदस्य देवी रोड स्थित निर्माणाधीन बस अड्डे पर एकत्रित हुए। यहां उन्होंने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। नागरिक मंच के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश नैथानी ने कहा कि वर्ष 2013 में मोटर नगर में बस अड्डे का निर्माण शुरू करवाया। लेकिन, कुछ समय बाद ही निर्माण कार्य रूक गया। कहा कि जिन संस्थाओं को नगर निगम के प्रकरण को सुलझाने की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं किया। कहा कि किसी ने भी उक्त संस्था के विरूद्ध कोई रिपोर्ट भी दर्ज नहीं करवाई है। कहा कि नागरिक मंच मोटर नगर बस अड्डा निर्माण के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगा। इस मौके पर राजेंद्र पंत, प्रवेश नवानी, गोविंद डंडरियाल, पीएल खंतवाल, मुजीब नैथानी, महावीर सिंह रावत, राजेंद्र सिंह नेगी, अतुल भट्ट, इंद्रमणि देवरानी, जीपी सेमवाल मौजूद रहे।

कोटद्वार में मोटर नगर के समीप बस अड्डा निर्माण की मांग को लेकर धरना देते मंच के सदस्य

काश्तकारों को मिली किसान सम्मान निधि की किश्त

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 37 के काश्तकारों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त उपलब्ध करवाई गई। इस दौरान काश्तकारों ने वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री के विचारों को भी सुना। शनिवार को विश्वकर्मा सामुदायिक भवन में केंद्र की ओर से वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। पार्षद सुखपाल शाह ने कहा कि दर्जनों काश्तकारों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वी किश्त दो हजार रुपये केंद्र सरकार की ओर से भेजे गए। कहा कि वर्षाकाल में काश्तकारों के पास आय का कोई माध्यम नही है। ऐसे में किसान निधि मिलने से उन्हें मदद मिलेगी। साथ ही सम्मान निधि से काश्तकार खेती के लिए खाद, दवाई व अन्य सामान भी खरीद पाएंगे। वर्चुअल माध्यम से काश्तकारों ने प्रधानमंत्री के विचारों को भी सुना। बैठक में काश्तकारों को बेहतर खेती से जुड़कर अपनी आर्थिकी को मजबूत बनाने के भी तरीके बताए गए। इस मौके पर कृषि विभाग न्याय पंचायत प्रभारी गौरव चौधरी, पूर्व प्रधान पुष्पा शाह, नयन सिंह बिष्ट, राजेंद्र सिंह चौहान, गोविंद सिंह, रणजीत सिंह, धर्मचंद बसवाल, हरि सिंह रावत, लव किशोर शर्मा, कुंवर सिंह, सोहनलाल कोटला सहित अन्य मौजूद रहे।

सांप के काटने से युवक की मौत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वर्षाकाल में सर्पदंश की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। सांप के काटने के बाद उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचे एक युवक की मौत हो गई। परिजन उसे लेकर यूपी के जनपद बिजनौर में एक झाड़फूंक करने वाले बाबा के पास ले गए, लेकिन युवक की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने बिजनौर में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

यूपी के जनपद बिजनौर के गांव ढकिया निवासी 28 वर्षीय आनंद पुत्र चैन सिंह को बृहस्पतिवार सुबह बेस अस्पताल कोटद्वार लाया गया था। आनंद घबराहट होने ओर सांस लेने में तकलीफ होना बता रहा था। इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक उपचार देने के करीब आधे घंटे बाद आनंद की हालत बिगड़ने लगी और उसकी मौत हो गई। आनंद के भाई ने बताया कि उसका शरीर नीला पड़ने लगा था।

चिकित्सकों का कहना था कि आनंद को सांप ने डंसा है। आनंद को बिजनौर में हरेवली के निकट गांव भोगपुर में झाड़फूंक करने वाले बाबा के पास लाया गया, लेकिन बाबा ने भी बताया कि आनंद की मौत हो चुकी है। बिजनौर में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतक आनंद के भाई ने बताया कि आनंद सात माह की दूधमुंही पुत्री, पत्नी और अन्य परिजनों को रोता-बिलखता छोड़ गया। वह एक पेट्रोल पंप पर काम करता था। घर पर सोते समय कनपटी के पास उसे सांप ने काटा था, जिसका पता नहीं चल सका और तबीयत बिगड़ती चली गई।

आठ वाहन चालक बनें प्रधान और बीडीसी

श्रीनगर गढ़वाल : अलकनंदा कमांडर टैक्सी यूनियन श्रीनगर, कीर्तिनगर से जुड़े आठ वाहन स्वामी अलग-अलग गांवों के प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर निर्वाचित हुए हैं। गांव की छोटी सरकारों का प्रतिनिधित्व मिलने पर टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर करते हुए विजेता जनप्रतिनिधियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अलकनंदा कमांडर टैक्सी यूनियन के विकास रावत, सुरेश कुमार, देवेंद्र नेगी, योगेश चंद्र, विक्रम गुसांई, कुलदीप बुटोला, राम स्वरूप उनियाल ने कीर्तिनगर, कोट और खिर्सू के अलग-अलग गांवों से ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सीटों से विजय प्राप्त की है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने वर्ष 2018 में उत्तराखण्ड बोर्ड की हाईस्कूल की परीक्षा राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार से संस्थागत छात्र के रूप में अनुक्रमांक 18061868 से उत्तीर्ण की। जिसकी मार्कशीट एवं प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं गुम हो गये है, जो काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिले।

वसीम अब्बासी पुत्र महमूद अहमद
निवासी इन्द्रा नगर, आम पड़ाव, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1133/21)

दुकान में हुई चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में चोर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कुछ दिन पूर्व सिम्मलचौड़ स्थित एक दुकान में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने दो चारों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरों के पास से चोरी किया गया सामान भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

मालूम हो कि कुछ दिन पूर्व सिम्मलचौड़ स्थित एक दुकान में चोरी की घटना हुई थी। मामले में दुकान स्वामी शुभम बेदवाल की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। उन्होंने बताया था कि कुछ दिन पूर्व रात के समय वह दुकान में ताला लगाकर देहरादून किसी कार्य से चले गए थे। अगले दिन जब वह दुकान में लौटे तो शटर का ताला टूटा हुआ था। साथ ही दुकान के भीतर से नगदी, लैपटाप व अन्य सामान गायब था। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरु कर दी गई थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने उत्तर प्रदेश जिला बिजनौर निवासी इसरार उर्फ गुड्डू व हरिकिशन को गिरफ्तार किया है।

पेयजल व्यवस्था दुरूस्त करने की उठाई मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : नागरिक कल्याण मंच ने शनिवार को शहर में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग उठाई है। मंच के पदाधिकारियों ने जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा है। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि उपभोक्ताओं से भारी भरकम बिल वसूलने के बाद भी उनको पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा है। कहा कि जल्द ही समस्या का हल नही होने पर उपभोक्ता संरक्षण आयोग में वाद दायर किया जाएगा।

जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को दिए गए ज्ञापन में मंच के अध्यक्ष रघुवीर सिंह नेगी, सचिव गबर सिंह नेगी ने कहा कि शहर में पिछले लंबे समय से उपभोक्ता पेयजल किल्लत से जूझ रहे हैं। जबकि पेयजल के बिलों में बेहताशा बढ़ोतरी की जा रही है। कहा कि शहर में उपभोक्ताओं को दिन में एक ही समय करीब 30 मिनट तक ही पेयजल की आपूर्ति की जाती है। कहा कि श्रीनगर में जल संस्थान उपभोक्ताओं को 20 हजार लीटर पेयजल प्रतिमाह निःशुल्क दिया जा रहा है। उन्होंने पौड़ी में भी उपभोक्ताओं को श्रीनगर की तरह सुविधा देने की मांग की है। उन्होंने जल्द ही जल संस्थान के अधिशासी अभियंता से समस्या का हल निकालने की मांग की। इस मौके पर मंच के सदस्य नरेश चंद्र नौड़ियाल, पदमेंद्र सिंह, मनोज रावत आदि मौजूद रहे।

विस अध्यक्ष ने केंद्रीय वन मंत्री के समक्ष रखी समस्या

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने दिल्ली में केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। साथ ही उन्होंने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण सहित अन्य समस्याओं से केंद्रीय मंत्री को अवगत करवाया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने जल्द समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।

केंद्रीय वन मंत्री से मुलाकात करते हुए विस अध्यक्ष ने कहा कि कोटद्वार के बेहतर विकास के लिए लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण आवश्यक है। यह मार्ग कोटद्वार वासियों के लिए हरिद्वार व देहरादून जैसे प्रमुख शहरों के लिए सुगम होगा। विस अध्यक्ष ने प्रस्तावित जंगल सफारी व पक्षी अभ्यारण्य कोटद्वार के समृद्ध वन क्षेत्र, जैव विविधता व प्राकृतिक संपदा को नई पहचान दिलवाने की भी अपील की। कहा कि इससे क्षेत्र में पर्यटन व स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने विधानसभा अध्यक्ष को प्रस्ताव में गंभीरता से कार्य करने का आश्वासन दिया। कहा कि इसके लिए उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे।

कॅंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात करती विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण

मानस व तमन्ना बनी छात्रों की हेड

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नवयुग पब्लिक स्कूल पदमपुर मोटाढाक में विद्यार्थी संसद (स्टूडेंड काउन्सिल) का गठन किया गया। जिसमें मानव व तमन्ना को छात्रों के हेड की जिम्मेदारी दी गई।

विद्यालय प्रांगण में विद्यालय की प्रधानाचार्या नीलम नेगी, स्कूल प्रशासक अर्पिता नेगी व समस्त शिक्षक/शिक्षिका स्टाफ के साथ ही विद्यार्थीगणों की उपस्थिति में विद्यार्थी संसद में चयनित विद्यार्थियों के नाम व पदों की घोषणा की गई।

समस्त छात्र संसद ने शपथ ग्रहण की। इस मौके पर हेड ब्याय मानस, हेड गर्ल तमन्ना, स्कूल कैप्टन दिव्यदर्शनी व लक्की नेगी, डिसप्लेन हेड साक्षी, अरमान, अनामिका व आयुष, कल्चरल हेड तनु, प्रिया, मयंक व प्रियांशु, स्पोर्टस कैप्टन अभिषेक व इशिका को बनाया गया। साथ ही चारों हाउस के कैप्टन (ब्याय) जय सिंह, मयंक, अंश व दिपांशु, चारों हाउस के कैप्टन (गर्ल) हर्षिता, वंषिका, प्रियांषी व स्नेहा, डिसप्लेन हेड जूनियर स्मिता व अक्षय को बनाया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी

कोठगी गांव की प्रधान बनी प्रभा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड खिर्सू के ग्राम सभा कोठगी में प्रधान पद पर युवा महिला प्रभा देवी ने जीत दर्ज की है। युवा प्रधान ने कहा कि चुनाव में जो भी वायदे किए है उनका पूरा करेंगे। बता दें कि 2004 से यहां चुनाव होने शुरू हुए इससे पहले ग्राम प्रधान निर्विरोध ही बने हैं। अब कोठगी के मतदाताओं ने 32 वर्षीय प्रभा देवी के हाथ गांव के विकास की कमान सौंपी है। नव निर्वाचित ग्राम प्रधान प्रभा ने बताया कि चुनाव में ग्रामीणों से जो भी वायदे किए गए है उनको पूरा करेंगे। उन्होंने विकास के नाम पर ही वोट मांगे थे और उन्हें जीत मिली है। प्रभा ने कहा कि ग्रामसभा में पेयजल से लेकर रास्तों, खिर्सू मेले में मुख्य आयोजक ग्राम कोठगी के लिए पर्यटन और संस्कृति विभाग में रजिस्टर्ड करना उनका एजेंडा है। उन्हें 339 में से 193 वोट मिले।

आईएचएमएस कॉलेज के 16 छात्रों का हुआ फाइव स्टार होटलों में चयन

होटल मैनेजमेंट सीएचएम कोर्स के छात्रों को ट्रेनिंग के बाद मिली नियुक्ति, झूमें छात्र

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी, मैनजमैंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज में होटल मैनेजमेंट कोर्स की शिक्षा ले रहे 16 छात्रों का देश के प्रतिष्ठि पांच सितारा होटलों के लिए चयन हुआ है। देश के जाने माने फाइव स्टार होटल में नैकरी मिलने पर छात्रों और उनके परिजनों में खुशी का माहौल है।

कॉलेज के ईडी अजयराज नेगी ने बताया कि कॉलेज में संचालित होटल मैनेजमेंट के कोर्स सीएचएम के 16 छात्रों को शिक्षा के बाद देश के प्रतिष्ठित होटल रमादा मसूरी, जेपी ग्रीन गोल्फ एंड रिजार्ट नोयडा, कंट्री इन एंड सूट्स साहिबाबाद, रेडशन ब्लू कोशांभी, लैमन ट्री प्रीमियर गुरुग्राम, पार्क प्लाजा चंडीगढ़, रेडिशन चंडीगढ़ जीराकपुर और गोल्डन तुलिप जयपुर में छह माह की ट्रेनिंग कराई गई। जिसके बाद साक्षात्कार के बाद विभिन्न पदों पर छात्रों का चयन हो गया है।

उन्होंने कहा कि छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए कॉलेज में शिक्षा के लिए सभी आधुनिक संसाधन उपलब्ध काराए गए हैं। अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा दी जा रही बेहतर शिक्षा के कारण संस्थान में उपलब्ध एमबीए, एमसीए, बीबीए, बीसीए, बीएससी आईटी, बीएचएम और सीएचएम कोर्स के छात्र-छात्राओं का देश की जानी मानी कंपनियों के लिए चयन हो रहा है।

आईएचएमएस कॉलेज के फाइव स- टार होटलों के लिए चयनित छात्र।

इन छात्रों का हुआ फाइव स्टार होटल में चयन

होटल मैनेजमेंट सीएचएम के छात्र आकाश असवाल और आयुष रौतेला का चयन ताज दमदम लेक रिजार्ट गुरुग्राम के लिए, अभिषेक, चिराग रावत, देव कुमार, क्रिश कुमार, पार्थ कुमार और राहुल रावत का चयन रेडशन होटल एंड रिजार्ट गुरुग्राम के लिए, बॉबी, दीपक सिंह, नरेंद्र कुमार, प्रियांशु, विशाल कांबोच और प्रियांशु नेगी का चयन जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजार्ट नोयडा, जबकि शिवम नेगी और विशाल का चयन फायर फेल्ड गोआ के लिए चयन हुआ है।

महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ा रही सशक्त कदम

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड की महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा रही हैं। अब प्रदेश की महिलाएं जंगलों से जुड़ी प्राकृतिक संपदा का सार्थक उपयोग कर स्वरोजगार की मिसाल पेश कर रही हैं। जनपद रुद्रप्रयाग के ग्राम जवाड़ी की महिलाएं इस परिवर्तन की जीवंत मिसाल हैं। यहां हिमाद्री स्वयं सहायता समूह एवं जय रुद्रनाथ समूह से जुड़ी महिलाएं चीड़ की पत्तियों पिरूल से खूबसूरत राखियां तैयार कर रही हैं। यह पहल न केवल रोजगार को बढ़ावा दे रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक त्योहारों को स्थानीय संसाधनों से जोड़ने का अभिनव उदाहरण भी बन रही है। समूह से जुड़ी महिलाओं ने बताया कि उन्होंने पूर्व में पिरूल से उत्पाद निर्माण का प्रशिक्षण प्राप्त किया था, जिसे अब रक्षा बंधन पर्व के अवसर पर राखी निर्माण में उपयोग किया जा रहा है। जंगल से एकत्र की गई पिरूल को सावधानी पूर्वक साफ कर, रचनात्मक ढंग से सजाया जाता है और सुंदर, रंग-बिरंगी राखियों का रूप दिया जाता है। इसके साथ ही, महिलाओं द्वारा इन राखियों की पैकिंग भी स्वयं की जा रही है। महिलाओं का कहना है कि पिछले वर्ष भी उन्होंने पिरूल से राखियां बनाई थीं, जिन्हें लोगों ने खूब पसंद किया था। उनकी आमदनी भी अच्छी हुई थी। इस वर्ष भी बाजार में इन राखियों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस नवाचार ने महिलाओं को एक स्थायी आय का साधन उपलब्ध कराया है। साथ ही, लोकल फॉर वोकल के मंत्र को भी मजबूती से आगे बढ़ाया जा रहा है। राखियों की बिक्री स्थानीय बाजारों में शुरू हो चुकी है और इन्हें पर्यावरण हितैषी एवं प्राकृतिक उत्पाद के रूप में सराहा जा रहा है। यह पहल उत्तराखंड की ग्रामीण महिलाओं के हुनर, आत्मबल और नवाचार की कहानी है जो प्रकृति से प्रेरणा लेकर आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रही हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

स-वी-20-केट स्टाल-मुरा०-म0-2025 सी दिनांक: 01.08.2025

भारत के राष्ट्रपति कीओरसे वरिष्ट मंडल वाणिज्य प्रबंधक उत्तर रेलवे मुरादाबाद द्वारा मण्डल के द्वारा मण्डल के शाहजहांपुर, रूडकी, मुरादाबाद, देहरादून, हरिद्वार, हरदोई, ऋषिकेश तथा रायवाला के ए1, ए. एव बी श्रेणी के स्टेशनों पर जनरल माइनर यूनिट (जी एम यू) के द्वारा खान-पान सेवा प्रावधान के अन्तर्गत खुली डबल पैकेट टेंडर प्रणाली के अन्तर्गत ठेका आवंटित करने हेतु निविदा E-Tendering (www.ireps.gov.in) के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

Name and Category of station	Platform No	Location	Reserve Price per stall per Annum (Rs.)	Earnest Money per stall (Rs.)	Cost of Bid document (in Rs.) Including GST @ 18%(In Rs.)	Prim Location
Shahjahanpur "A"	PF No. 4/5	Location-A Near OHE Pole No. 2003 LKO end.	232232.	120800	2950	
Roorkee "A"	PF No. 1	Location-A Near OHE pole No. 1022 LRJ end, (Women)	787111	409300	2950	
	PF No. 2/3	Location-B Near OHE pole No. 1556/40 SRE end,	286425	149000	2950	
		Location-C Near OHE pole No. 1039	853111	443700	2950	Prime
Moradabad "A"	PF No. 1	Location-C Near SS store,	2409000	1252700	5900	Prime
		Location-F Near Water Both no. 4 Towards BE End	1320000	686400	5900	Prime
	PF No. 2/3	Location-B Near OHE pole No. 1399/3	1223200	636100	2950	
	PF No. 6/7	Location-B Near OHE pole No. 1398/16A,	280450	145900	2950	
		Location-C Near OHE pole No. 1398/12, (Women)	388851	202300	2950	Prime
		Location-D Near Water Both No. 39	452100	235100	2950	Prime
DDN "A-1"	PF No. 3	Location-B Towards HW end between OHE Pole No. 3002/WB No 3 & 4 (Women)	221910	115400	2950	
	PF No. 4/5	Location-B Near column No. 2 HW End.	231000	120200	2950	
HW "A-1"	PF No. 2/3	Location-D Near Granite seating Bench no. 10	733455	381400	2950	Prime
		Location-E 3 Mtr. From Water booth No. 2	831111	432200	2950	Prime
	PF No. 4/5	Location-C 1 Mtr. From Water booth No. 03	721111	375000	2950	Prime
		Location-E 5 Mtr. From Water booth No. 02, (Women)	471855	245400	2950	Prime
	PF No. 8/9	Location-D 2 Mtr. granite bench No. 10, (Women)	118690	61800	2950	Prime
HRI "A"	PF No. 1	Location-B Near Shed, SPN End	292220	152000	2950	
	PF No. 1	Location-C Near SS office, Old building,	182080	94700	2950	Prime
	PF No. 2/3	Location-B Near WB SPN end.	247226	128600	2950	
	PF No. 4/5	Location-C Near FOB, (Women)	261790	136200	2950	Prime
RKSH "B"	PF No. 1	Location-C Between Water booth no. 3 &4	94380	49100	2950	Prime
RWL "B"	PF No. 1	Location-A After station building DDN end. (Women)	91520	47600	2950	
		Location-B Near pole No. 38/7 LRJ end, (Women)	91520	47600	2950	
		Location-C Between Station building & Water booth towards LRJ.	94380	49100	2950	Prime
	PF No. 2/3	Location-C Between Pole no. 38/9A and Water booth, (Women)	92950	48400	2950	Prime

Date & Time submission of Bid & Website	निविदा दिनांक 25.08.25 को 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर डाली आएगी जो उसी दिन खोली जाएगी

नोटः– उपरोक्त स्थान में किसी भी विसंगति के मामले में, साइट प्लान में उल्लिखित स्थान अंतिम होगा।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2358/25

संक्षिप्त समाचार

हर घर तिरंगा के तहत आयोजित होंगे कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : आजादी का अमृत महोत्सव के तहत जनपद में तीन चरणों में हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत जनपद के विभिन्न स्थानों पर तिरंगा रैली, प्रदर्शनी, देश भक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि जनपद में तीन चरणों में हर घर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रथम चरण 2 अगस्त से 8 अगस्त तक विद्यालयों की दीवारों और बोर्डों पर तिरंगे से संबंधित चित्रों से साज सज्जा की जाएगी। साथ ही विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की ओर से प्रदान की गई प्रदर्शनियों को प्रदर्शन किया जाएगा। 9 अगस्त से 12 अगस्त तक कार्यक्रम का द्वितीय चरण आयोजित किया जाएगा। जिसमें तिरंगा महोत्सव के साथ ही विभिन्न विभागों की ओर से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जबकि 15 अगस्त के दिन कार्यक्रम का तृतीय चरण आयोजित किया जाएगा। इस दिन सरकारी और गैर सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण और तिरंगा वितरण किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को कार्यक्रम के आयोजन को लेकर व्यवस्थाएं चाक-चौबंध करने के निर्देश दिए है।

हेमकुंड साहिब यात्रा 10 अक्तूबर तक रहेगी जारी

चमोली : हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा प्रबंधक ट्रस्ट के अध्यक्ष सरदार नरेंद्र जीत बिन्द्रा ने कहा कि पवित्र हेमकुंड साहिब की यात्रा जोरों पर है। उन्होंने बताया कि अभी तक 2.28 लाख श्रद्धालुओं ने हेमकुंड साहिब के दर्शन कर लिये हैं। हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा प्रबंधक ट्रस्ट के अध्यक्ष ने बताया इस वर्ष अनुकूल मौसम ने यात्रा को और भी सुगम बनाया है। सामान्य वर्षा और सुव्यवस्थित मार्ग प्रबंधन के कारण ऋषिकेश से गोविंदघाट तक का पर्वतीय मार्ग सुरक्षित और निर्बाध बना हुआ है। उन्होंने बताया कि हेमकुंड साहिब यात्रा इस वर्ष 10 अक्तूबर को सम्पन्न होगी।

हेलंग में पहाड़ी से भू-स्खलन में 4 मजदूर घायल

चमोली : ज्योतिर्मठ के हेलंग में टीएचडीसी द्वारा निर्माणाधीन विष्णुगाड़ पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के डेम साइट में भारी भूस्खलन होने से परियोजना निर्माण कार्य में लगे 4 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में से एक गंभीर घायल को इलाज के लिए श्रीनगर बेस चिकित्सालय रैफर किया गया है। ती घायलों का इलाज पीपलकोटी स्थित स्वामी विवेकानंद अस्पताल में चल रहा है। इस हादसे में 8 मजदूरों को हल्की चोटें आयी हैं उनका इलाज कंपनी के अपनी साइट में स्थित चिकित्सालय में करने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई है। शनिवार प्रातः लगभग 11 बजे पहाड़ी का एक बडा हिस्सा टूटकर परियोजना साइट में आने से वहां पर काफी देर तक भगदड का माहौल रहा। घटना की सूचना मिलने पर तहसील प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सभी घायलों को सबसे पहले कंपनी के चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। (एजेंसी)

गोशाला की छत गिरी, मवेशी घायल

चमोली : विकासखंड के ग्राम पंचायत बेडुला के धारकोट तोक में शुक्रवार रात्रि को भारी बारिश के दौरान गोशाला की छत गिरने से वहां बंधे मवेशी चोटिल हो गए। ग्रामीणों ने किसी तरह मवेशियों को वहां से निकाल कर सुरक्षित स्थान पर ले गए। शुक्रवार रात को बेडूला के धारकोट तोक में बारिश के कारण छिला देवी पत्नी तुलाराम की गोशाला की छत भरभराकर वहां बंधे मवेशियों पर जा गिरी। जिससे दो गाय और एक बछड़ा घायल हो गए। ग्रामीणों ने सजगता दिखाते हुए चोटिल मवेशियों को वहां से जैसे तैसे बाहर निकाला और अन्य गोशाला में बांध दिया। गांव के विजय सिलोड़ी ने बताया कि बुजुर्ग गरीब महिला छिला देवी की गोशाला की छत टूट जाने से उनके सम्मुख मवेशियों को रखने की समस्या खड़ी हो गई है।

तहसील दिवस 5 अगस्त को

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : नारायणबगड़ के विकासखण्ड सभागार में 05 अगस्त को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। प्रभारी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि 05 अगस्त (मंगलवार) को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक विकासखण्ड सभागार नारायणबगड़ में तहसील दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। शिविर में सभी विभागीय अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

गैरसैण में विधानसभा मानसून सत्र की तैयारियां तेज

डीएम ने दिये सभी व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : गैरसैण में 19 अगस्त से शुरू होने वाले उत्तराखंड विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारियों को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सत्र के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाओं को समय से पूरा किया जाए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने जानकारी दी कि मानसून सत्र के दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत गैरसैंण में जगह-जगह बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे तथा पुलिस कंट्रोल रूम की व्यवस्था की जाएगी।

पुलिस बल के ठहरने के लिए विशेष इंतजाम किए जायेंगे। इसके साथ ही हेलीपैड क्षेत्र में सेफ हाउस भी स्थापित किए जाएंगे, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। जिलाधिकारी ने सत्र के दौरान आवास की स्थिति का निरीक्षण करने हेतु अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक टीम गठित कर सभी आवासों में विद्युत आपूर्ति, पेयजल, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि सत्र के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने गैरसैण में चल रहे निर्माण कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उरेड़ा के अधिकारियों को सत्र के दौरान विद्युत आपूर्ति के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने को कहा। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को सत्र के दौरान आवश्यक खाद्य सामग्री की आपूर्ति करने एवं जल संस्थान एवं जल निगम के अधिकारियों को भी पेयजल आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ रखने तथा सत्र अवधि में निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, जिला विकास अधिकारी केके पंत, मुख्य शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह रावत , सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पिंजरे में कैद हुआ गुलदार, लोगों ने ली राहत की सांस

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के गंगा दर्शन गोशाला के समीप वन विभाग के पिंजरे में शनिवार को एक गुलदार कैद हुआ है। जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है। गुलदार पकड़े जाने की सूचना तब विभाग को मिली जब वह गुलदार प्रभावित क्षेत्र में गश्त के लिए जा रहे थे। गुलदार ने गंगा दर्शन क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों के भीतर तीन लोगों पर हमला किया था, जिससे स्थानीय लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ था। गुलदार की बढ़ती सक्रियता और हमलों की बढ़ती घटनाओं के बाद वन विभाग ने गंगा दर्शन के समीप गोशाला क्षेत्र में पिंजरा लगाया था। लगातार निगरानी और प्रयासों के बाद जब वन विभाग की टीम शनिवार सुबह रेकी करने पहुंची तो गुलदार पिंजरे में कैद मिला। हालांकि वन विभाग ने अभी भी सतर्कता बरतने की अपील की है। वन क्षेत्राधिकारी श्रीनगर दिनेश चंद्र नौटियाल ने बताया कि गंगा दर्शन गोशाला के समीप लगाये गये पिंजरे में एक गुलदार कैद हुआ है। बताया कि गुलदार को नागदेव रेंज ले जाया गया, जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। पिंजरे में कैद हुआ गुलदार तीन से चार वर्ष का नर गुलदार है। बताया कि जांच में अभी हमलवार गुलदार की कोई भी पुष्टि नहीं हुई है। वन क्षेत्राधिकारी नौटियाल ने लोगों से अपील की है कि गुलदार पकड़े जाने के बावजूद अभी भी सतर्कता बरतें।

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम 5 अगस्त को मक्कूमठ में

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग में आमजन तक शासन की योजनाओं की जानकारी व लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में 5 अगस्त 2025 को तहसील ऊखीमठ के दूरस्थ ग्राम मक्कूमठ में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस बहुउद्देश्यीय शिविर की अध्यक्षता जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग प्रतीक जैन स्वयं करेंगे। यह पहली बार है जब जिलाधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में इस प्रकार का शिविर इस क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है।इस शिविर के माध्यम से जिला प्रशासन जनपद के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचने, उनकी समस्याएं सुनने और उन्हें योजनाओं से जोड़ने का प्रयास करेगा। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन को दी जाएगी, साथ ही पात्र लोगों को योजनाओं का तत्काल लाभ भी प्रदान किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने बताया कि सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित समस्त योजनाओं की जानकारी के साथ तैयार होकर शिविर में भाग लें तथा सूचना स्टॉल लगाकर सेवा प्रदान करें। साथ ही संबंधित उपजिलाधिकारी, तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे इस शिविर की सूचना अपने क्षेत्र में प्रभावी प्रचार-प्रसार के माध्यम से आमजन तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

निर्वाचन आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों का पारिश्रमिक दोगुना किया

देहरादून। भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन ड्यूटी में तैनात कार्मिकों के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को दिए जाने वाले वार्षिक पारिश्रमिक को 6000 से बढ़ाकर 12000 कर दिया है। साथ ही, बीएलओ पर्यवेक्षकों को दी जाने वाली राशि 12000 से बढ़ाकर 18000 प्रति वर्ष कर दी गई है। आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य हेतु बीएलओ को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि भी 1000 से बढ़ाकर 2000 कर दी है। इसके अलावा, निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (एफ्ढ२) के रूप में कार्य कर रहे उपजिला मजिस्ट्रेटों (को अब 30000 वार्षिक मानदेय दिया जाएगा, जबकि सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (अएफ्ढ२) के रूप में कार्यरत तहसीलदार स्तर के अधिकारियों को 25000 वार्षिक दिए जाएंगे। यह पहली बार है जब एफ्ढ२ और अएफ्ढ२ के लिए मानदेय निर्धारित किया गया है। इससे पहले, आयोग ने बिहार से प्रारंभ होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क्र) के लिए बीएलओ२ को 6000 की अतिरिक्त विशेष प्रोत्साहन राशि देने की मंजूरी भी दी थी। यह निर्णय निर्वाचन आयोग की उन चुनाव कार्मिकों को पर्याप्त मुआवजा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो सटीक मतदाता सूची बनाये रखने, मतदाताओं की सहायता करने और चुनावी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए क्षेत्र स्तर पर अथक परिश्रम करते हैं।

तहसील दिवसों का रोस्टर जारी

नई टिहरी : जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में आम जन मानस की शिकायतों व समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह आयोजित होने वाले तहसील दिवसों का रोस्टर जारी किया गया है। तहसील दिवस प्रत्येन माह के प्रथम अथवा तृतीय मंगलवार को संबंधित तहसील क्षेत्र में आयोजित किए जाते हैं। बताया कि 2 सितंबर को को बीडीओ कार्यालय प्रतापनगर में तहसील दिवस आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 7 अक्तूबर को तहसील देवप्रयाग, 4 नवंबर को तहसील जाखणीधार के जीआईसी जाखणीधार, 9 दिसंबर को तहसील कीर्तिनगर, अगले साल 6 जनवरी तहसील घनसाली, 3 फरवरी को उपतहसील पावकीदेवी, 3 मार्च को तहसील कंडीसौड़, 7 अप्रैल को तहसील बालगंगा जीआईसी चमियाला, 5 मई को तहसील धनोल्टी के ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़, 2 जून को उप तहसील मदननेगी, 7 जुलाई को तहसील गजा, 4 अगस्त को तहसील नैनबाग, 1 सितंबर को तहसील टिहरी जबकि 6 अक्तूबर 2025 को तहसील नरेन्द्रनगर में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा।

तिरंगे के रंग में रंगेगा रुद्रप्रयाग, आजादी के अमृत महोत्सव पर होगा भव्य उत्सव

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस ह्लआजादी का अमृत महोत्सवह्व के अंतर्गत अनेक जनउपयोगी एवं राष्ट्रीय भावना से प्रेरित कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने अपील की है कि आम जनमानस, सभी अधिकारी धार्मिक एवं शिक्षण संस्थानों के प्रभारी अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और आस-पास के लोगों को भी ह्लहर घर तिरंगाह्व कार्यक्रम में भागीदारी के लिए प्रेरित करें, ताकि जनपद रुद्रप्रयाग में इस महोत्सव को उत्साहपूर्वक एवं भव्यता के साथ मनाया जा सके।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए की पूर्व वर्ष 2022, 2023 एवं 2024 की भांति इस वर्ष भी ह्लहर घर तिरंगाह्व कार्यक्रम का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा, जिसका उद्देश्य जनमानस में राष्ट्र के प्रति समर्पण, देशभक्ति और आस्था का भाव जागृत करना है। प्रथम चरण 02 अगस्त से 08 अगस्त 2025 तक होगा। इस दौरान जनपद के स्कूलों की दीवारों और बोर्डों को तिरंगे से प्रेरित कला से सजाया जाएगा तथा स्कूलों, कॉलेजों व सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त जनपद में तैनात सैनिकों और पुलिसकर्मियों को तिरंगा राखियां बांधी जाएगी, बाजारों में तिरंगा बुनाई और धागे की पारंपरिक कला का प्रदर्शन किया जाएगा। द्वितीय चरण 09 अगस्त से 12 अगस्त 2025 के दौरान 12 अगस्त को मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय से गुलाबराय मैदान तक स्कूली बच्चों व आम जनमानस की सहभागिता से तिरंगा रैली, तिरंगा मेला और संगीत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मेले में तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा सेल्फी अपलोड करने का कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा स्थानीय एवं प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा देशभक्ति सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के कार्यक्रम आयोजित होंगे, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लॉक पंचायत स्तर पर तिरंगा यात्रा आयोजित की जाएगी। तृतीय चरण 13 अगस्त से 15 अगस्त 2025 के तहत सरकारी भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, होटलों, कार्यालयों व पुलों पर ध्वजारोहण और रोशनी की विशेष व्यवस्था की जाएगी तथा नागरिकों को तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर पर अपलोड करने के कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

विद्यार्थियों ने सैनिक भाइयों को समर्पित की राखियां और शुभकामना कार्ड

जयन्त प्रतिनिधि।

लैन्सडाउन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन के विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात वीर सैनिकों को समर्पित करते हुए, स्नेह, सुंदर राखियां और शुभकामना संदेश कार्ड बनाएं।

यह अभिनव पहल विद्यालय की कला अध्यापिका श्रीमती कल्पना जदली के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। जिसमें कक्षा 1 से 7 तक के छात्रों ने पारंपरिक राखियां और कक्षा 8 से 12 के छात्रों ने तिरंगा और रक्षाबंधन से संबंधित कलात्मक कार्ड तैयार किए। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, वीएसएम, कमांडेंट जीआरआरसी एवं एफ.डब्ल्यू.ओ. की चेयरपर्सन श्रीमती रेखा नेगी ने बच्चों के इस भावनात्मक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ह्लसेना का हर जवान इन मासूम दिलों की स्नेहभरी भावनाओं को आदर पूर्वक स्वीकार करता है।ह्व विद्यालय प्रशासन द्वारा सैनिकों के लिए बनाई गई ये सुंदर राखियां और संदेश कार्ड जीआरआरसी की विभिन्न यूनिटों के माध्यम से सीमाओं पर तैनात सैनिकों तक भेजे जायेगें। प्रधानाचार्य विजेन्द्र दत्त सुंद्रियाल ने इस प्रयास के लिए स्कूल मैनेजमेंट का आभार प्रकट करते हुए कहा कि रक्षाबंधन न केवल भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक है, बल्कि यह उन सैनिकों के प्रति भी हमारी भावनात्मक सुरक्षा भावना है, जो परिवार से दूर रहकर देश की रक्षा करते हैं। हमें उनकी सेवा और बलिदान पर गर्व है। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल शशांक शेखर (ट्रेनिंग ऑफिसर), सूबेदार मेजर नंद किशोर, सूबेदार मेजर सुखबीर एवं सूबेदार शिव सिंह आदि उपस्थित रहे।

राज्य सहकारी संघ और एसजीआरआर सहकारी मॉडल मिलकर करेंगे काम

देहरादून। उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ, रेशम फेडरेशन और श्रीदरबार साहिब, देहरादून जल्द एक एमओयू पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं। इसमें दोनों पारंपरिक उत्पादों को नया बाजार उपलब्ध कराने के साथ ही आधुनिक कृषि, महिला सशक्तिकरण और जैविक विकास के क्षेत्र में भी मिलकर काम करेंगे।

उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ एवं रेशम फेडरेशन के प्रबंध निदेशक आनंद शुक्ल ने श्रीदरबार साहिब के महंत देवेंद्र दास महाराज से मुलाकात कर प्रस्तावित योजनाओं का ब्यौरा रखा। महंत देवेंद्र दास ने इसे सामाजिक उत्थान के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। सहकारी संघ अपने उत्पादों की बिक्री के लिए एसजीआरआर से जुड़े संस्थानों में आउटलेट खोलेगा।

राज्य सहकारी संघ और गुरु राम राय विश्वविद्यालय मिलकर करेंगे सहकारी मॉडल में उद्धार

देहरादून। उत्तराखंड राज्य की सहकारी व्यवस्था को सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की गई है। उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ एवं उत्तराखंड रेशम फेडरेशन, गुरु राम राय विश्वविद्यालय और इसके अधीन संस्थानों के साथ एक महत्वपूर्ण सहयोग समझौता (टङ्कव) करने जा रहे हैं, जो न केवल पारंपरिक उत्पादों को नया बाजार देगा, बल्कि आधुनिक कृषि, महिला सशक्तिकरण और जैविक विकास के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी भूमिका निभाएगा।

संयुक्त प्रयास से सहकारिता को मिलेगा नया आयाम

इस समझौते के तहत, उत्तराखंड रेशम फेडरेशन के पारंपरिक उत्पाद – रेशमी शॉल, टोपी, मफलर, दीक्षांत गाउन आदि अब गुरु राम राय समूह के चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थानों के दीक्षांत समारोहों में उपयोग किए जाएंगे। साथ ही, इन संस्थानों में इन उत्पादों के बिक्री केंद्र (आउटलेट) खोले जाएंगे, जिससे स्थानीय महिला समूहों, बुनकरों व कारीगरों को स्थायी रोजगार के अवसर मिलेंगे।

आधुनिक कृषि प्रशिक्षण केंद्र और बहुआयामी कृषि मॉडल का निर्माण

इस समझौते का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है गुरु राम राय संस्थान की अप्रयुक्त परिसंपत्तियों पर मॉडर्न एग्रीकल्चर ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना। इसके अंतर्गत कई बहुआयामी कृषि परियोजनाएं प्रस्तावित हैं:

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश,स्वास्थ्य आयुक्त बनाने पर विचार

देहरादून। प्रदेश में हाल में घटित घटनाओं का संज्ञान लेते हुए, प्रदेश सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था में आमूल–चूल बदलाव करने की तैयारी कर रही है। सरकार स्वास्थ्य आयुक्त से लेकर मेडिकल कॉलेजों में एम्स की तर्ज पर डिप्टी डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन पद सृजित करने की कार्यवाही पर विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर शनिवार को प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री आर.के. सुधांशु ने स्वास्थ्य विभाग के सचिव और उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर, हाल में घटित घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए, किसी प्रकार की लापरवाही और अव्यस्था के लिए सर्वसंबंधित की जिम्मेदारी तय करते हुए विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने सभी जिला चिकित्सालयों सहित महत्वपूर्ण चिकित्सालयों में एक हेल्पडेस्क बनाने के निर्देश दिए। इन हेल्पडेस्क पर अनिवार्य रूप से पीआरओ की उपस्थिति रहेगी, जो मरीजों और उनके तीमारदारों को सहायता प्रदान करेंगे।

उन्होंने जिला प्रशासन के जरिए जिला चिकित्सालय एवं उप–जिला चिकित्सालयों में एक जिला स्तरीय प्रशासनिक अधिकारी की तैनाती रोस्टर के आधार पर करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने विभिन्न चिकित्सालयों में उपलब्ध आयुष्मान हेल्प डेस्क (आयुष्मान मित्र) की व्यवस्था को भी सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य आयुक्त की आवश्यकता पर भी विचार किया जाए। इसके लिए एक सुसंगत एवं सुस्पष्ट प्रस्ताव शासन को प्रस्तुत किया जाए। इसी तरह विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में डिप्टी डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन की आवश्यकता पर विचार करते हुए, एम्स के मॉडल का परीक्षण कर लिया जाए। उन्होंने चिकित्सालयों में भीड़ नियंत्रित करने के लिए अस्पतालों में होने वाली भीड़ और मरीजों की सुविधा डढक आदि की ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग के लिए सुदृढ़ सिस्टम भी विकसित किया जाएगा।

पेयजल समस्याओं का प्रोएक्टिव मोड में निदान कर रहा प्रशासन

देहरादून। मुख्यमंत्री के सुशासन एवं जनसेवा संकल्प के तहत जिला प्रशासन पेयजल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का प्रोएक्टिव मोड में निदान कर रहा है। दून जाखन क्षेत्र से उपभोक्ता संजय नौटियाल ने क्षेत्र में लगातार गंदा पानी आने की शिकायत दर्ज की थी। जिससे लोगों को पीने के लिए पानी की समस्या हो रही थी। अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) केके मिश्रा ने बताया कि कंट्रोल रूम को देर सांय को शिकायत मिलने पर जिलाधिकारी के निर्देशों पर रात्रि को ही जल संस्थान की टीम को मौके पर भेजा गया। जल संस्थान की टीम द्वारा मौके मुआयना कर उपभोक्ता के जल संयोजन का निरीक्षण किया गया। जिसमें उपभोक्ता के पेयजल लाइन लीकेज पाई गई।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास योजनाओं हेतु वित्तीय स्वीकृति प्रदान की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद चमोली में जोशीमठ के आपदा प्रभावित क्षेत्र के स्लोप स्टेबलाईजेशन कार्ययोजना हेतु रू. 516 करोड़ की योजना स्वीकृत करते हुए प्रथम किस्त के रूप में रू. 40 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने केन्द्र पोषित जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत गतिमान कार्यो हेतु भारत सरकार से केन्द्रांश के रूप में प्राप्त होने वाली धनराशि की प्रत्याशा में पुनर्विनियोग के माध्यम से रू. 200 करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने की भी स्वीकृति प्रदान की है।मुख्यमंत्री ने राज्य की नगर निकायों में 52 स्थलों में ''देवभूमि रजत जयंती पार्क'' का निर्माण किये जाने हेतु रू. 40.49 करोड की धनराशि स्वीकृत किये का अनुमोदन प्रदान किया है।मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड पेयजल निगम द्वारा शी'ऋङ्कऋस्त्र१ङ्कू३ के अन्तर्गत नाबार्ड, राज्य सेक्टर, ई.ए.पी., रिंग फेसिंग इत्यादि कार्यक्रमों हेतु उत्तराखण्ड पेयजल निगम को रू. 350 लाख एवं उत्तराखण्ड जल संस्थान को रू. 150 लाख की धनराशि अवमुक्त किये जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद टिहरी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र नरेन्द्र नगर में मुनिकीरेती स्थित रामझूला सेतु के स्ट्रेंथनिंग एवं सुरक्षात्मक कार्य हेतु रू. 11 करोड की योजना स्वीकृत किये जाने का भी अनुमोदन दिया है। मुख्यमंत्री ने पाँचवें और छठे वेतमान पाने वाले कर्मचारियों का मंहगाई भत्ता बढाये जाने की स्वीकृति दी मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार और राज्य स्वायत्त निकायों/उपक्रमों के उन कर्मचारियों को, जो पांचवें एवं छठे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार लागू वेतन बैंड/ग्रेड वेतन में अपने वेतन एवं भत्ते आहरित कर रहे हैं, को उन्हें स्वीकार्य मंहगाई भत्ते की मौजूदा दर को दिनांक 01 जनवरी, 2025 से क्रमशः पांचवें वेतनमान को 455 प्रतिशत से बढ़ाकर 466 प्रतिशत एवं छठे वेतनमान को 246 प्रतिशत से बढ़ाकर 252 प्रतिशत प्रतिमाह किये जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया है।

जल भराव क्षेत्रों से जल निकासी में उपयोगी साबित हो रहे जिला प्रशासन के हाई प्रेशर डी–वाटरिंग पंप

देहरादून। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर शहरी इलाकों में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए जिला प्रशासन तत्परता से जुटा है। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों पर नगर निगम क्षेत्र को 12 भागों में विभाजित किया गया है। जलभराव की निगरानी के लिए 03 क्यूआरटी (त्वरित प्रतिक्रिया टीमें) गठित है। सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, एसडीएम हरिगिरी और एसडीएम कुमकुम जोशी को इन क्यूआरटी का नोडल बनाया गया है। सड़कों पर क्रोनिक भूस्खलन वाले क्षेत्रों की तर्ज पर जल भराव वाले क्षेत्रों में भी मैनपावर और मशीनरी तैनात की गई है। जिससे रिसपोस टाइम कम कर समस्या का त्वरित समाधान किया जा रहा है।प्रमुख चौक, चौराहे और जंक्शन पर कारगर साबित हो रहे डी–वाटरिंग पंपः जिला प्रशासन ने प्रिंस चौक, बल्लूपुर चौक, पंडितवारी, सीमाद्वार, कैंट एरिया, आईटी पार्क, सहस्त्रधारा रोड़, 06 नंबर पुलिया, रिस्पना, कैचमेंट, अधोईवाला, कांवली रोड़, चंद्रबनी, आईएसबीटी, बंगाली कोठी, बंजारावाला आरर्केडिया ग्रांट आदि क्षेत्रों में डी–वाटरिंग पंप स्थापित किए है। बारिश में जल भराव होने पर पानी की निकासी में हाई स्पीड डी–वाटरिंग पंप कारगर साबित हो रहे है। प्रिंस चौक पर जलभराव होने पर क्यूआरटी ने स्मार्ट सिटी और पीआईयू के साथ मिलकर डी–वाटरिंग पंप का इस्तेमाल किया। हाई प्रेशर डी–वाटरिंग पंप से जलभराव समस्या का कुछ ही मिनटों में निस्तारण किया गया और आवागमन को सुचारू किया गया। डी–वाटरिंग पंप से जमा पानी को प्रभावी तरीके से निकासी हो पा रही है। जिससे प्रिंस चौक पर समस्या का त्वरित निस्तारण करने में मदद मिल रही है।

जलभराव क्षेत्रों में क्यूआरटी का दैनिक निरीक्षण जारीः जिलाधिकारी के निर्देशों पर शहरी इलाकों में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए क्यूआरटी निरंतर गश्त कर रही है। क्यूआरटी के अधिकारियों ने अतिवृष्टि के दौरान प्रिंस चौक, बल्लूपुर, रिस्पना कैचमेंट, चंद्रबनी क्षेत्र, आईएसबीटी और बंजारावाला, आरकेडिया ग्रांट क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त रखा जाए

देहरादून। अगले विधानसभा चुनाव के लिए शिक्षकों की बीएलओ की ड्यूटी लगने लगी है। शिक्षक संघ ने इसका विरोध किया है। संघ शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने की मांग करता रहा है। पूर्व में इस संबंध में आदेश भी हुए थे, लेकिन शिक्षकों का आरोप है कि शासनदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। राजकीय शिक्षक संघ पिछले लंबे समय बीएलओ ड्यूटी का विरोध करता आ रहा है। उनका कहना है कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए फिर से शिक्षकों की बीएलओ ड्यूटी लगाई जा रही है। शिक्षक संघ का कहना है कि स्कूल में पहले ही शिक्षक कम होने के साथ ही उनके पास अन्य भी गैर शैक्षणिक कार्य हैं। ऐसे में बीएलओ ड्यूटी से उन पर कार्य का बोझ बढ़ेगा और इससे शैक्षणिक कार्य भी प्रभावित होंगे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com